राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात, संस्करण शनिवार,06 जुन2020 वर्ष–2, अंक –94 पृष्ठ–04 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना संकट में केंद्र सरकार की घोषणा, नईयोजनाओं केख़र्च पर एकसाल के लिएरो क

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोनावायरस संकट और लॉकडाउन के वित्तीय असर से जूझरहे वित्त मंत्रालय के डिपार्टमेंट ऑफ़ एक्सपेंडीचर नेपीएम गरीब कल्याण पैकेज और आत्मनिर्भर भारत योजनाके तहत ऐलान की गई योजनाओं को छोड़कर सभी नईयोजनाओं के ख़र्च पर एक साल के लिए रोक लगा दीहै। शुक्रवार को जारी मंत्रालय के आदेश में कहा गया है

कि कोविड महामारी की वजह सेपब्लिक फाइनेंसियल रिसोर्सेज पर अप्रत्याशित दबावबढ़ गया है जिसके मद्देनज़र ये फैसला लेना पड़ा है।

तय किया गया है कि कोई भी मंत्रालय किसी भी नई योजना का प्रस्ताव वित्त मंत्रालय को 31 मार्च 2021 तक नहीं भेजेंगे

और न ही उन्हें मंजूरी दी जाएगी। सरकार की राजस्व की कमाई किस हद तक घट गई है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि

इस साल के बजट में घोषित नई योजनाएं भी इस साल शुरू नहीं की जाएंगी।

वित्त मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार सैद्धांतिक

तौर पर बजट में शामिल नई योजनाओं की फंडिंग को भी रोकने का फैसला लिया गया है।

ज्ञात रहे कि कोरोना संकट की वजह से सरकार का राजस्व घटता जा रहा है। सरकार आम तौर पर हर महीने की पहली तारीख को उससे पिछले महीने में हुए जीएसटी कलेक्शनके आंकड़े जारी करती है। लेकिन पिछले दो महीने सेएक मई और एक जून को ये आंकड़े जारी नहींकिए गए हैं।

जीएसटी के आखिरी आकड़े एक अप्रैल को जारी किए गए थे।

इसमें कहा गयाथा कि मार्च 2020 में जीएसटी कलेक्शन 97,597करोड़ रहा जो फरवरी के 1,05,366 करोड़ जीएसटीकलेक्शन से 7,769 करोड़ कम है। यानी लॉकडाउन काअसर जीएसटी कलेक्शन पर दिखना मार्च में ही शुरू होगया था।

वेतन मिलेगा या नहीं12 जून को फैसला सुनाएगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। महामारी के चलते लॉकडाउन के दौरान मजदूरों कोपूरा वेतन देने के केंद्र कि अधिसूचना पर सुप्रीमकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। इस मामलेमें कोर्ट 12 जून को फैसला सुनाएगा। सुप्रीम कोर्टने कहा कि तब तक उन फैक्टरी वालों नियोक्ताओंपर कोई कठोर कार्रवाई नहीं होगी, जिन्होंने श्रमिकोंको वेतन नहीं दिया है। कोर्ट ने कहा कि तीन दिनों में सभी पक्ष अपनी लिखित दलीलें दाखिल कर सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार के 29 मार्च के अधिसूचना को लेकर कई याचिकाएं दाखिल की गई हैं। साथ ही कई फैक्टरियों व उद्योगों की ओर से याचिका दाखिल कर इस अधिसूचना को चुनौती दी गई है। इस अधिसूचना में केंद्र ने कहा था कि नियोक्ता मजदूरों का वेतन दें और काम कर नहीं आने कर उनका वेतन न काटा जाए। लेकिन केंद्र सरकार ने अब कोर्ट में रुख बदल लिया और कहा कि लॉक. डाउन अवधि के दौरान श्रमिकों को मज़दूरी का भुगतान नियोक्ता और कर्मचारियों के बीच का मामला है। केंद्र सरकार इसमें हस्तक्षेप नहीं करेगी। केंद्र का कहना है कि इसने मजदूरों के कार्यस्थल से उनके घरों के लिए पलायन रोकने के लिए मजदूरी का पूरा भुगतान करने का आदेश दिया था। केंद्र की ओर से अटॉर्नी जनरल के के वेणुगोपाल ने कहा कि हम चाहते हैं कि अर्थव्यवस्था फिर से शुरू हो। यह नियोक्ताओं और कर्मचारियों पर है कि वे आपस में बातचीत करें कि लॉकडाउन अवधि के लिए कितने वेतन का भुगतान किया जा सकता है।

जस्टिस अशोक भूषण और एस के कौल की पीठ ने कहा कि सरकार ने औद्योगिक विवाद अधिनियम के प्रावधानों को लागू नहीं किया है, बल्कि आपदा प्रबंधन अधिनियम को लागू किया है। क्या सरकार के पास इस तरह का आदेश जारी करने का अधिकार है कि मजदूरों को पूरा वेतन दिया जाए। भुगतान करने की आवश्यकता 50 प्रतिशत हो सकती है, लेकिन केंद्र ने 100 प्रतिशत भुगतान करने का निर्देश दिया है। ये समझौता उद्योगवार हो सकता है, लेकिन 100 प्रतिशत देना संभव नहीं हो सकता। कोर्ट ने सरकार से पूछा कि ई एस आई फंड का इस्तेमाल प्रवासी अन्य मजदूरों के हित में किया जा सकता है। वेणुगोपाल ने कहा कि उस फंड का इस्तेमाल रिटायरमेंट के बाद की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए होता है। उस फण्ड को रिडायरेक्ट नहीं कर सकते। लेकिन कर्मचारी उससे कर्ज ले सकता है।

भारतीय सेना ने लद्दाख सीमापर पोजीशन की मजबूत, चीन के लड़ाकू विमानोंकी हलचल बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच बीते एक महीने से पूर्वी लद्दाख सीमा पर तनाव के हालात हैं। इस समस्या के समाधान के लिए दोनों पक्षों की शनिवार को महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है। लेकिन इससे पहले सीमा पर गतिविधियां बढ़ गई हैं। भारतीय सेना ने पूरी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर अपनी पोजीशन मजबूत कर ली है और एयर फोर्स भी अलर्ट पर है।

सूत्रों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में अक्साई चिन इलाके में चीन के लड़ाकू विमानों की हलचल बढ़ गई है। भारतीय वायुसेना उनकी हरकतों पर नजर बनाए हुए है और उसने भी उस इलाके में अपनी गश्त बढ़ा दी है। चीन की वायुसेना सीमा के करीब युद्ध अभ्यास कर रही है और उसके विमान हैं जिससे उसके विमान ज्यादा पेलोड (हथियार) और ईंधन ले जाने में सक्षम नहीं हैं।

चीन के किसी भी दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए भारत ने लद्दाख से अरुणाचल प्रदेश तक फैली 3488 किमी लंबी एलएसी पर सेना की तैनाती बढ़ा दी है। खासकर उत्तराखंड और सिक्किम सीमा पर सेना ने अतिरिक्त टुकड़ियों को भेजा है। ऐसी खबरें थीं कि चीन वहां बड़े पैमाने पर अपने सैनिकों की तैनाती कर रहा है। सूत्रों का कहना है कि सीमा पर तैनाती बढ़ाने का शनिवार को पूर्वी लद्दाख में होने वाली लेफ्टिनेंट जनरल स्तर की बातचीत से कोई सीधा संबंध नहीं है लेकिन चीन की तरफ सेना की बढ़ती तैनाती के मद्देनजर भारत ने भी अपने सैनिकों की संख्या बढ़ाई है। अधिकारियों का कहना है कि पूरी एलएसी पर गश्त, सैनिकों की तैनाती और निगरानी के लिए यूएवी का इस्तेमाल बढ़ा दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक लद्दाख के अलावा चीन के सेना ने सिक्किम में भी कुछ इलाकों पर घुसपैठ की है जहां पहले भारतीय सैनिक गश्त किया करते थे। इससे दोनों पक्षों में तनाव पैदा हुआ है। लद्दाख में जारी तनातनी से दूसरे सीमावर्ती राज्यों में भी अलर्ट जारी किया गया है और एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि भारत ने सीमा पर पर्याप्त सैनिक तैनात किए हैं। हालांकि उन्होंने इस बारे में विस्तृत जानकारी देने से इनकार कर दिया।

सीमा पर 10 किमी के नो फ्लाई जोन के दायरे में नहीं आए हैं लेकिन भारतीय वायु सेना ने वहां अपनी मौजूदगी बढ़ा दी है। लद्दाख क्षेत्र में भारतीय वायुसेना बेहतर स्थिति में है। श्रीनगर और चंडीगढ़ एयर बेस से शॉर्ट नोटिस पर वायुसेना के लड़ाकू विमान पूरे ईंधन और हथियारों के साथ उड़ान भर सकते हैं। दूसरी ओर चीन के एयर बेस बेहद ऊंचाई पर स्थित

आम लोगों केलिए खुला मुंबई का मरीन ड्राइव,चहल–पहल शुरू

सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराने सीआइएसएफ तैनात

मुंबई, (एजेंस)। मुंबई का मरीन ड्राइव पर्यटकों के बीच काफी प्रसिद्ध है. लोग मरीन ड्राइव पर आउटिंग के लिए देर रात तक निकलते हैं. मॉनसून सीजन में इन इलाकों में और बड़ी संख्या में लोग जुटते हैं और बारिश तथा समंदर में हाई टाईड का लुत्फ उठाते हैं. लेकिन अब मरीन ड्राइव पर ऐसा कुछ नहीं होगा. किसी पार्टी की इजाजत नहीं दी जाएगी. कोई सोशल गेदरिंग नहीं होने दी जाएगी. समुद्र की ओर मुंह करके लोगों को नहीं बैठने दिया जाएगा. यह कुछ प्रतिबंधों के साथ मिशन की शुरुआत हुई है. दरअसल महाराष्ट्र से कोरोना संकट टला नहीं है लेकिन महाराष्ट्र सरकार ने अब समुद्र तटों के किनारे सुबह 5 बजे से शाम 7 बजे तक के लिए घरों से बाहर निकलने की अनुमति दे दी है. जिसके बाद लोग अपने घरों से बाहर निकल रहे हैं. यही वजह है कि मुंबई के सबसे लोकप्रिय मरीन ड्राइव पर एक बार फिर लोग दिखने लगे हैं.

गुरुवार शाम से ही मरीन ड्राइव पर लोगों की आवाजाही शुरू हो गई है. लोग कसरत करते, दौड़ते, टहलते दिख रहे हैं. हालांकि सब गतिविधियों के बीच ऐसा भी दिख रहा है जो इससे पहले मरीन ड्राइव पर कभी नहीं दिखा. मुंबई पुलिस के साथ केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की तैनाती की गई है. पहले तो लोग थोड़े सकते में आए लेकिन जल्द ही उन्हें लगा कि किसी चिंता की बात नहीं है. ये जवान लोगों को सोशल डिस्टेंसिंग की सीख दे रहे हैं, सरकार की ओर से जारी नियमों का पालन करा रहे हैं. सीआईएसएफ के असिस्टेंट कमांडेंट अक्षय उपाध्याय कहते हैं कि, 'सीआइएसएफ की तैनाती मुंबई पुलिस की मदद के लिए की गई है. हमारी तैनाती इसलिए हुई है कि यहां सोशल डिस्टेंसिंग का पालन हो और लोग नियमों से बंधे रहें.' मरीन ड्राइव पर लोग चल सकते हैं, जॉगिंग कर सकते हैं, कसरत कर सकते हैं और साइकिल चला सकते हैं. लेकिन यह सब करते हुए उन्हें कोरोना प्रोटोकॉल और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना होगा. लोगों को हमेशा मास्क लगाना होगा. उन्होंने कहा, 'लोगों को हर हाल में सावधानी बरतनी होगी. हमारे जवान यह तय करेंगे. लोगों को नियम समझाए जाएंगे. को. विड–19 महामारी हमारे बीच में ही है, ऐसे में हमें सावधान रहना होगा.'

– लोगों को नियमों की जानकारी होनी जरुरी

उधर मुंबई पुलिस भी यह मानती है कि लोगों को घर से निकलने से पहले इस बात की जानकारी होनी जरूरी है कि किस तरह से सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना है. पुलिस का कहना है कि हर कोई सरकारी गाइडलाइंस के बारे में नहीं जानता. हम ऐसे लोगों को सूचना देंगे. मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, 'इसलिए यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उन्हें बताएं और इसलिए पहल करें. अगर लोग पुलिस या सीआईएसएफ को नहीं सुनते हैं और चेतावनी को नजरअंदाज करते हैं तो कानून अपना रास्ता अपनाएगा.'

केरल में एक साल के भीतर इंसानी क्रूरता के शिकार हुए करीब 600 हाथी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। इंसानों द्वारा पशुओं के साथ क्रूरता पूर्ण व्यवहार आम बात हो गई है हालही में केरल के मल्लपुरम में एक हाथिनी के साथ क्रूरता का मामला सामने आया है। कुछ उत्पादी तत्वों ने गांव की तरफ़ खाने की तलाश में आई एक गर्भवती हथिनी को मार डाला। दरअसल, हथिनी ने अनानास खाया था जिसमें उत्पादी तत्वों ने बारूदी पटाखे भरे हुए थे। जब हथिनी ने बारूदी पटाखों से भरा हुआ अनानास खाया तो वह उसके मुंह में ही फट गया। इसके बावजूद हथिनी ने गांव वालों पर हमला नहीं किया बल्कि चुपचाप वहां से तालाब की तरफ बढ़ गई। बुरी तरफ जले हुए मुंह के साथ हथिनी ने तालाब के अंदर चली गई। ताकि उसे थोड़ी बहुत राहत मिल सके। मगर हथिनी ने खड़े–खड़े ही दम तोड़ दिया। इस खबर के सामने आने के बाद से लोगों में काफी गुस्सा देखने को मिल रहा है। केंद्र सरकार ने भी इस मामले पर संज्ञान लेते हुए जांच की बात कही है।

वहीं, मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा कि पलक्कड जिले के मन्नारकड़ वन मंडल में हथनी की मौत मामले में प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है और पुलिस को घटना के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। पशु अधिकारों पर काम करने के लिए मशहूर भाजपा नेता मेनका गांधी ने भी अपना रोष जाहिर किया। उन्होंने कहा कि केरल में हर तीसरे दिन एक हाथी को मार दिया जाता है। केरल सरकार ने मल्लापुरम मामले में अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने आगे कहा कि केरल में 1 साल में करीब 600 हाथी मारे गए लेकिन केंद्र और राज्य सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की साथ ही साथ प्रकाश जावड़ेकर से कानून में बदलाव करने की अपील भी की।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, हाथी विशेषज्ञ और केरल फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट के पूर्व निदेशक डॉ. पीएस ईसा ने बताया कि पालतू हाथियों की गिनती में कुल 507 हाथी ही पाए गए थे।

जिनमें से 407 नर हैं तो 97 मादाएं हैं। इसके साथ ही उन्होंने अब तक मारे गए हाथियों का आंकड़ा भी बताया। डॉ. ईसा ने कहा कि साल 2017 में 17, 2018 में 34 और 2019 में 14 हाथियों की मौत हुई है।

दरअसल, यह आंकड़े उन्होंने साल 2019 में केरल हाईकोर्ट में पेश की गई एक रिपोर्ट के आधार पर दिए हैं। इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया था कि साल 2007 से लेकर 2018 के बीच क्रूरता की वजह से कुल 14 हाथियों की मौत हुई है।

मालूम हो कि हथनी की वेल्लियार नदी में 27 मई को मौत हो गई थी। इससे पहले वन्यकर्मियों से उसे नदी से बाहर लाने की बहुत कोशिश की थी मगर उन्हें इसमें कामयाबी नहीं मिली। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से पता चला है कि हथिनी गर्भवती थी। उसके जबड़े टूटे हुए थे।

इस बीच एक वरिष्ठ वन अधिकारी ने बताया कि अप्रैल में कोल्लम जिले के पुनालूर मंडल के पथनापुरम वन क्षेत्र में भी इसी प्रकार की घटना हो चुकी है।

लॉकडाउन में देश में सबसे ज्यादा खेला गया पबजी माइनक्राफ्ट और फोर्टनाइट टॉप 3 तीन में शामिल

नई दिल्ली(एजेंसी)।

भारत में कोरोना वायरस लॉकडाउन के दौरान लोगों ने ढेर सारा वक्त ऑनलाइन गेमिंग करते हुए बिताया है। घर में सेल्फ क्वारंटाइन रहते हुए यूजर्स ने पबजी, फ्रंटलाइन, माइनक्राफ्ट, क्लैश आफ क्लेंस, लैंग्वेज आफ लीजेंड्स, वर्ल्ड आफ वारक्राफ्ट जैसे गेम्स का जमकर लुत्फ उठाया। इन गेम्स के प्लेयर मई महीने में तेजी से बढ़े और इसका डेटा अभी एक स्टडी में शेयर किया गया है। डेटा के मुताबिक, लाख प्लेयर्स के साथ फोर्टनाइट टॉप तीन में शामिल हुआ। इसके अलावा करीब 1.5 लाख प्लेयर्स ने लीग ऑफ लीजेंड्स, 1.5 लाख ने ही काउंटर स्ट्राइक, 1.1 लाख ने वर्ल्ड ऑफ वारक्राफ्ट और 1.1 लाख ने ही क्लैश ऑफ क्लैन्स खेला।

लॉकडाउन में लाए गए कई तरह के गेमिंग टूर्नामेंट्सः

लॉकडाउन के दौरान इंडियन गेमर्स के लिए कई तरह के गेमिंग टूर्नामेंट्स भी लाए गए। जनवरी से अप्रैल के बीच गेमिंग टूर्नामेंट से मुकाबले क्रम से 81 फीसदी, 22 फीसदी, 84 फीसदी, 255 फीसदी और 50 फीसदी तक ज्यादा सर्च किए।

गेमिंग कंसोल का भी हुआ ज्याद उपयोगः

लोग केवल अपने स्मार्टफोन्स पर ही गेमिंग नहीं कर रहे थे, बल्कि गेमिंग कंसोल भी पहले के मुकाबले ज्यादा इस्तेमाल किए गए।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, निनटेंडो स्विच को सबसे ज्यादा 1.1 लाख लोगों ने अप्रैल में सर्च किया।

करीब 22 लाख लोगों ने पिछले महीने पबजी खेला और यह भारत में सबसे पॉप्युलर गेम के तौर पर सामने आया है।

इसके बाद 8.2 लाख प्लेयर्स के साथ माइनक्राफ्ट और 7.5 जुड़े सर्च भी तेजी से बढ़े। यूजर्स ने इंटरनैशनल टूर्नामेंट, फोर्टनाइट वर्ल्ड कप, काउंटर–स्ट्राइक,

पोकेमॉन वर्ल्ड चैंपियनशिप और लीग ऑफ लीजेंड्स वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे टर्म पहले के इसके अलावा एक्स बाक्स वन और प्ले स्टेशन 4 को करीब 0.49 लाख लोगों ने ऑनलाइन सर्च किया। साथ ही मोबाइल प्रीमियर लैंग्वेज की सर्च में 406 फीसदी बढ़त रेकॉर्ड की गई।

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

एकजुट एनसीआर

नई दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के संबंध में सुप्रीम कोर्ट का निर्देश न केवल स्वागतयोग्य, बल्कि अनुकरणीय भी है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में पिछले दिनों सीमा बंद करने संबंधी जो विवाद देखे गए थे, उसके नतीजतन हमारे स्थानीय प्रशासनों को पहले ही आगे बढ़कर कोई सर्वसम्मत रास्ता निकाल लेना चाहिए था, पर जब उदासीनता बरती, तब सुप्रीम कोर्ट की जरूरत पड़ी। अब सुप्रीम कोर्ट ने एक हफ्ते का समय दिया है और दिल्ली, हरियाणा व उत्तर प्रदेश को मिलकर एनसीआर व अंतर-राज्यीय आवागमन के संबंध में साझा नीति बनानी है। दूसरे निर्देश में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को तीनों राज्यों के साथ मिलकर एक साझा पोर्टल बनाने का फैसला लेने को कहा है। कोर्ट ने अपने निर्देश में साफ तौर पर कहा है कि एनसीआर को सतत नीति, एक नीति, एक रास्ता और एक पोर्टल की जरूरत है। यदि इन निर्देशों के अनुरूप काम हुआ, तो एनसीआर क्षेत्र का कायाकल्प हो जाएगा। ऐसा नहीं है कि एनसीआर की कल्पना में परस्पर परिवहन समन्वय या साझा मंच की बात नहीं थी, लेकिन निजी हाथों के जरिए जिस तेजी से इस क्षेत्र का विकास होने दिया गया, उसकी वजह से साझापन और उसकी जरूरत की चर्चा भी कहीं हाशिये पर चली गई। कभी यह सुनने में नहीं आया कि तीनों राज्यों के अधिकारियों की बैठक हो रही है, जिसमें सारे विवाद या तनाव दूर कर लिए जाएंगे। विगत तीस-चालीस वर्षों में जो भी फैसले एनसीआर को लेकर हुए हैं, वे तात्कालिक रहे हैं। कहीं कोई समस्या आई, तो उसे फौरी तौर पर सुलझा लिया गया, लेकिन मिल-बैठकर हमेशा के लिए साझा नीति तय करने का काम अभी शेष है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर ही सही, अब तीनों राज्यों को मिलकर हमेशा के लिए सीमा, सीमा बंदी, वाहन-परिवहन संबंधी समस्याओं को सुलझा लेना चाहिए। एनसीआर एक ऐसा क्षेत्र है, जहां के आवागमन को रोका नहीं जा सकता और एक याचिकाकर्ता ने उचित ही अनुच्छेद 19 का हवाला देते हुए सुप्रीम कोर्ट में गुहार लगाई है। वाकई भारत में संविधान ने लोगों को कहीं आने-जाने का अधिकार दे रखा है, जिसे सरकारें मनमाने ढंग से बाधित नहीं कर सकतीं। बाधा पैदा करने की जरूरत अगर पड़ेगी, तो उसके लिए भी एक तार्किक नीति बनाने की जरूरत है और इस दिशा में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का खासा महत्व है। इतना तय है कि एनसीआर में तरह-तरह की नीतियां नहीं चल सकतीं और यदि इस क्षेत्र को विकास का सच्चा इंजन बनना है, तो जरूरी नीतियों में एकरूपता होनी चाहिए। सुख-सुविधा-संसाधन साझा करने संबंधी फैसले भी तार्किक और मानवीय होने चाहिए। कोविड-19 की पृष्ठभूमि में अगर देखें, तो भी एनसीआर को साझा रणनीति की जरूरत है। कहीं ज्यादा मरीज होंगे, कहीं कम होंगे, पर जब नीति लागू होगी, तो उसके नियम-कायदे समान होने चाहिए। ऐसा न हो कि किसी एक राज्य के एकतरफा फैसले से दूसरे के मन में खटास पैदा हो। एनसीआर का साझा पोर्टल बने, तो उसके जरिये साझा पास या परमिट भी बने। एनसीआर में जहां तक संभव हो, तीनों राज्यों की नीतियां साझी हों। यह समय परस्पर रोष का नहीं, बल्कि मिलकर फैसला लेने का है। जो भी नीति बने, समन्वय व समय से बने और पूरी तरह से लागू हो, ताकि एनसीआर देश के दूसरे बड़े शहरों के सामने एक मिसाल बन जाए।

आज के ट्वीट

सजा

केरल के पलक्कड में एक गर्भवती हथिनी को विस्फोटक भरा अनानास खिलाकर क्रूरतापूर्वक मारने की अति-दु:खद व निन्दनीय खबर स्वाभाविक तौर पर मीडिया की सुर्खियों में है। हाथी जैसे सहज व उपयोगी जानवर के साथ ऐसी क्रूरता की जितनी भी निन्दा की जाए वह कम है। सरकार दोषियों को सख्त सजा दे। --मायावती

दुनिया में भारत की बढ़ती जगह

अरविंद गुप्ता, डायरेक्टर, विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन

दुनिया की सात विकसित अर्थव्यवस्थाओं के समूह जी-7 के विस्तार की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पहल अप्रत्याशित नहीं है। कोविड-19 के कारण इस वक्त विश्व-व्यवस्था में उथल-पुथल जारी है। कोरोना से जंग जीतकर चीन दुनिया भर में अपनी हैसियत बढ़ाने में जुटा है, तो विश्व का सबसे ताकतवर देश अमेरिका अभी तक इस वायरस से पार नहीं पा सका है। इसके साथ ही कई अन्य घरेलू चुनौतियों से भी वाशिंगटन इस समय जूझ रहा है। उसकी अर्थव्यवस्था भी ढलान पर है। ऐसे में, उसे उन राष्ट्रों की जरूरत आन पड़ी है, जिनके साथ उसके अच्छे संबंध रहे हैं। यही वजह है कि सितंबर में होने वाली जी-7 की बैठक में शामिल होने के लिए उसने भारत, रूस, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया को आमंत्रित किया है। रूस पहले भी इस समूह का सदस्य रह चुका है, लेकिन यूक्रेन-क्रीमिया विवाद के बाद साल 2014 में उसे इस समूह से बाहर कर दिया गया था। बहरहाल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने इस प्रयास में चीन से दूरी बरती है। इसका सीधा मतलब है कि वाशिंगटन और बीजिंग की तनातनी अभी खत्म नहीं होने वाली। अमेरिका कोरोना वायरस बनाने का आरोप चीन पर मढ़ता रहा है। ह्वाइट हाउस का मानना है कि अगर चीन ने समय पर इस वायरस की सूचना दुनिया को दे दी होती, तो स्थिति आज इतनी भयावह नहीं होती। इसके अलावा, दोनों देश पहले से ही व्यापारिक युद्ध में उलझे हुए हैं। चीन जिस तेजी से दुनिया में अपनी गतिविधियां बढ़ा रहा है, उनसे भी अमेरिकी राष्ट्रपति नाराज हैं। अमेरिका और चीन में कायम इसी दरार के कारण ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को न्योता भेजा है। वह रूस और चीन की बढ़ती नजदीकी से चिंतित हैं। उन्हें लगता है कि दोनों देशों की बढ़ती दोस्ती से विश्व-व्यवस्था में अमेरिका का कद प्रभावित हो सकता है। ऑस्ट्रेलिया को आगे बढ़ाने के पीछे यही वजह है। ऑस्ट्रेलिया चीन के खिलाफ काफी मुखर है। हाल ही में संपन्न विश्व स्वास्थ्य महासभा में भी उसने उस प्रस्ताव के पक्ष में अपना मत दिया था, जिसमें कोरोना वायरस की उत्पत्ति का पता लगाने के लिए एक स्वतंत्र जांच कमेटी बनाने पर सहमति बनी थी। भारत को इसलिए इस समूह में शामिल होने के लिए बुलाया गया है, क्योंकि अमेरिका के साथ हमारी अच्छी सामरिक साझेदारी बनी है। दोनों देश हाल के वर्षों में एक-दूसरे के करीब आए हैं। कोरोना संक्रमण के बावजूद भारत ने अमेरिका को पर्याप्त मात्रा में हाइड्रोक्सी क्लोरोक्वीन जैसी जरूरी दवाई भेजी। क्वाड (भारत, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका व जापान का समूह) और इंडो-पैसिफिक में भी भारत एक प्रभावशाली राष्ट्र बनकर उभरा है। लिहाजा, अमेरिका चाहता है कि विश्व मंच पर नई दिल्ली के बढ़ते रुतबे का उसे फायदा मिले। दक्षिण कोरिया भी चूंकि अमेरिका का अच्छा दोस्त है, इसलिए उससे भी जी-7 में शामिल होने का अनुरोध किया गया है। सवाल अब यह है कि क्या ये चारों देश राष्ट्रपति ट्रंप का प्रस्ताव स्वीकार करेंगे? और, यदि जी-7 का विस्तार होता है, तो विश्व-व्यवस्था किस कदर प्रभावित होगी? भारत ने जरूर इस गुट में शामिल होने पर सहमति दे दी है और ऑस्ट्रेलिया व दक्षिण कोरिया से भी शायद ही इनकार हो, लेकिन रूस को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। रूस कई वजहों से उलझन में है। हाल के वर्षों में चीन के साथ उसकी निकटता काफी ज्यादा बढ़ी है। यूक्रेन-क्रीमिया विवाद के बाद दोनों देशों ने करीब 400 अरब डॉलर का गैस-समझौता किया, जबकि गैस की कीमत को लेकर दशकों से दोनों में आम राय नहीं बन सकी थी। चीन की महत्वाकांक्षी परियोजना 'बेल्ट रोड इनीशिएटिव' में भी रूस पर खासा भरोसा किया गया है। इसके अलावा, पिछले साल दोनों देशों के बीच 110 अरब डॉलर का आपसी कारोबार हुआ है, जबकि 1998 के बाद से पश्चिमी देशों के साथ मास्को की दूरी बढ़ती गई है, साल 2014 के बाद से तो और भी ज्यादा। हालांकि, रूस की मुखालफत जी-7 के यूरोपीय देश भी कर रहे हैं। कनाडा ने तो खुलकर अपना विरोध जताया है। रही बात विश्व-व्यवस्था के प्रभावित होने की, तो इस पर तभी असर पड़ेगा, जब जी-7 (अब संभवत- जी-10 या जी-11) के सभी सदस्य देशों में आपसी तालमेल बने। यह सही है कि अभी विश्व की कुल पूंजी का आधा से ज्यादा हिस्सा इन्हीं देशों के पास है, लेकिन उनमें आपसी टकराव इस कदर है कि साल 2018 की बैठक में जो संयुक्त घोषणापत्र जारी किया गया, उसे चंद घंटो में ही अमेरिका ने खारिज कर दिया था। पिछले साल तो ऐसा कोई घोषणापत्र जारी तक न हो सका। इतना ही नहीं, यह एक ऐसा वैश्विक संगठन है, जिसकी कोई वैधानिक हैसियत नहीं है। इसका अपना सचिवालय तक नहीं है। सभी सदस्य स्वेच्छा से एक-दूसरे की मदद करते हैं। ऐसे में, यदि इसका विस्तार होता है और इन देशों में आम राय नहीं बन पाती है, तो यह गुट विश्व-व्यवस्था पर बहुत ज्यादा असर शायद ही डाल पाए। आज विभिन्न राष्ट्रों के बीच एक सोच बनाना काफी मुश्किल काम है भी। जी-20 और संयुक्त राष्ट्र जैसे संगठनों को इसका खूब एहसास है। इसलिए अभी बहुत ज्यादा उम्मीद इससे नहीं पाली जा सकती। फिर भी, यदि सभी सदस्य देश एक-दूसरे के हितों को महत्व देंगे, जैसा कि इसके गठन के समय वायदा किया गया था, तो सितंबर की बैठक के बाद हम एक नई व्यवस्था को साकार होते देख सकते हैं। फिलहाल, हमारे लिए तो सुखद स्थिति ही है। चीन बेशक अमेरिका के इस कदम से नाराज है, लेकिन हमें अपने हितों को प्राथमिकता देनी होगी।

अगर जी-10 या जी-11 अस्तित्व में आता है, तो चीन पर इसका दबाव अवश्य बनेगा। हो सकता है कि उसकी मौजूदा आक्रामक रणनीति में भी हमें बदलाव देखने को मिले। जी-7 एक महत्वपूर्ण वैश्विक मंच है। पिछले साल इसकी बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल भी हुए थे। लिहाजा इसकी सदस्यता का यह प्रस्ताव विश्व-व्यवस्था में भारत की बढ़ती भूमिका का संकेत है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

ज्ञान गंगा

खुशी

जग्गी वासुदेव

प्रसन्न या अप्रसन्न रहना मूल रूप से आप का ही चुनाव है। लोग इसलिए दुःखी रहते हैं क्योंकि उन्हें ऐसा लगता है कि दुःखी रहने से उन्हें कुछ मिलेगा। यह पढ़ाया जा रहा है कि अगर आप पीड़ा भोग रहे हैं तो आप स्वर्ग में जाएंगे। पर, यदि आप दुःखी इंसान हैं तो आप स्वर्ग में जा कर भी क्या करेंगे? नर्क आप के लिए ज्यादा घर जैसा होगा! जब आप दुःखी ही हैं, तो आप को कुछ भी मिले, क्या फर्क पड़ेगा? यह कोई दार्शनिक बात नहीं है, आप का सच्चा स्वभाव है। स्वाभाविक रूप से तो आप प्रसन्न रहना चाहेंगे। मैं आप को कोई उपदेश नहीं दे रहा हूं, 'खुश रहो, तुम्हें खुश रहना चाहिए'। हर प्राणी आनंदित रहना चाहता है। आप जो कुछ भी कर रहे हैं, हर वो काम जो आप कर रहे हैं, वह किसी न किसी रूप में खुशी पाने के लिए ही कर रहे हैं। इस धरती पर हर मनुष्य जो कुछ भी कर रहा है, वो क्या कर रहा है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। चाहे वो अपना जीवन भी किसी को दे रहा हो, वो इसीलिए ऐसा करता है क्योंकि इससे उसे प्रसन्नता मिलती है। उदाहरण के लिए, आप लोगों की सेवा करना क्यों चाहते हैं? बस, इसलिए कि सेवा करने से आप को खुशी मिलती है! कोई अच्छे कपड़े पहनना चाहता है, कोई बहुत सारा धन कमाना चाहता है क्योंकि इससे उनको खुशी मिलती है। इस धरती पर हर मनुष्य जो कुछ भी कर रहा है, वो क्या कर रहा है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। चाहे वो अपना जीवन भी किसी को दे रहा हो, वो इसीलिए ऐसा करता है क्योंकि इससे उसे प्रसन्नता मिलती है। खुशी जीवन का मूल लक्ष्य है। आप स्वर्ग जाना क्यों चाहते हैं? सिर्फ इसलिए कि किसी ने आपको बताया है कि अगर आप स्वर्ग जाएंगे तो खुश रहेंगे। आप जो कुछ भी कर रहे हैं, उस सब को कर लेने के बाद भी अगर आप को खुशी नहीं मिलती है, तो इसका अर्थ यही है कि जीवन की किन्हीं मूल बातों को आप चूक गए हैं। आप जब बच्चे थे तो आप ऐसे ही खुश रहते थे। फिर, आगे के रास्ते में, कहीं ये आप से खो गया। आप ने इसे क्यों खोया? आप ने अपने आसपास की बहुत सारी वस्तुओं से अपनी पहचान बना ली- आपका शरीर, आपका मन। आप जिसे अपना मन कहते हैं, वो कुछ और नहीं है, बस वे सारी सामाजिक बातें हैं, जो आपने अपने आसपास की सामाजिक परिस्थितियों में से ले ली हैं।

आज का राशिफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से तनाव मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आर्थिक तथा व्यावसायिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ की संभावना है।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

वृश्चिक पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। वाद विवाद की स्थिति से बचें। आर्थिक योजना सफल होगी। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजना फलीभूत होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक खर्च का सामना करना पड़ सकता है। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किया गया परिश्रम सार्थक होंगे।

कुम्भ रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकतीहै। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। पराक्रम में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

अंधेरे से जूझते दूर तलक चली ज्योति

अरुण नैथानी

आज हर तरफ बिहार के दरभंगा जनपद के गांव सिरहुल्ली की ज्योति का नाम हर जुबान पर है। गुरुग्राम से अपने बीमार पिता को साइकिल पर बैठाकर बारह सौ किलोमीटर दरभंगा तक ले जाने वाली इस तेरह साल की दुबली-पतली लड़की ज्योति ने किया ही ऐसा कमाल है। ऐसी बेटी पर हर पिता रश्क कर सकता है। हो सकता है कोरोना काल में ऐसी यंत्रणाओं से कई बेटियां गुजरी हों, पैदल चली हों, भूख से बेहाल हुई हों, मगर ज्योति का अदम्य साहस और हौसला प्रेरक है। भुखमरी के कगार पर बैठे और मकान मालिक द्वारा धमकाये जाने के बाद ज्योति ने एक पुरानी साइकिल खरीदकर पिता से कहा कि यहां मरने से अच्छा हम संघर्ष करते हुए घर पहुंचें। उसका यह विश्वास रंग लाया और पिता के साथ वह सकुशल घर पहुंची। आज वह बिहार ही नहीं पूरे देश में एक नायक की छवि हासिल कर चुकी है।

हालांकि, सोशल मीडिया पर ज्योति के कारनामे को लेकर बहस छिड़ी है। कुछ लोगों के लिए जहां यह गर्व का विषय है, वहीं कुछ लोग इसे सत्ताधीशों के लिए शर्म का विषय बता रहे हैं, जो व्यवस्था की त्रासदी में पिस रहे लोगों के दुख-दर्द को महसूस नहीं कर पा रही है। बहरहाल, आज बिहार के दरभंगा जनपद के गांव सिरहुल्ली में मेला लगा है। सारा घटनाक्रम एक दशक पहले आई फिल्म 'पीपली लाइव' की याद ताजा कर रही है। एक कमरे व छोटे से बरामदे में सुबह से शाम तक राजनेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं व मीडिया का जमावड़ा लगा रहता है। इस गरीब परिवार के लिए इस घटनाक्रम के बाद आये अप्रत्याशित बदलाव को समझ पाना मुश्किल है। ज्योति की यह हालत है कि वह सामान्य-सी लड़की इस शोहरत को संभाल नहीं पा रही है। वह ठीक से खाना भी नहीं खा पा रही है और न ही ठीक से सो पा रही है। कभी उसने गुरुग्राम में कोरोना काल में सरकार की मदद से मिले हजार रुपये में से पांच सौ रुपये में पुरानी साइकिल खरीदी थी। साइकिल मालिक से मिन्नतें करके बारह सौ रुपये की साइकिल के बाकी पैसे गुरुग्राम लौटकर देने की मनुहार लगायी थी। अब ज्योति के घर में स्थानीय विधायक द्वारा दी गई स्पोर्ट्स साइकिल के अलावा चार साइकिलें खड़ी हैं। छोटे से घर में उन्हें रखने की जगह तक नहीं है। गुरुग्राम में बैटरी वाली रिक्शा चलाने वाले मोहन पासवान का बीती जनवरी को एक्सीडेंट हो गया था। उस पर उनकी पत्नी फूलो देवी जो आंगनबाड़ी में काम करती थी, अपने चार बच्चों को लेकर पति के इलाज के लिए गुरुग्राम पहुंची थी। साठ हजार का कर्ज भी लिया, लेकिन मोहन ठीक नहीं हुआ। दस दिन की छुट्टी पूरी होने के बाद वह तीन बच्चों को लेकर गांव लौट गई, लेकिन ज्योति को पिता की देखभाल के लिए छोड़ गई। पिता ठीक न हुए, मगर कोरोना का कहर और बरपा। कुछ समय लोगों ने मदद की, मगर जब भूखे मरने की नौबत आई और मकान मालिक किराये के लिए तंग करने लगा तो ज्योति ने संकल्प जताया कि पापा साइकिल से चलेंगे। दूसरे लोग भी तो जा रहे हैं। पिता जाने के पक्ष में नहीं थे। बारह सौ किलोमीटर का सफर आसान न था। नन्ही-सी दुबली-पतली जान, भारी-भरकम पिता का बोझ कैसे साइकिल पर उठा पायेगी, इस बात की चिंता पिता को भी थी। मां ने भी आने को मना किया था कि गांव वाले कह रहे हैं कि ये दिल्ली-गुरुग्राम वाले कोरोना लेकर आ रहे हैं। मगर ज्योति की जिद के आगे किसी की न चली। शुरू-शुरू में ज्योति को साइकिल चलाने में दिक्कत हुई। पिता के भारी बोझ से साइकिल का अगला पहिया लहराता था। लेकिन ज्योति ने हिम्मत नहीं हारी। वे दिनभर चलते, फिर रास्ते में कोई पेट्रोल पंप देखते और रात बिताते और सुबह दैनिक कार्यों से निवृत्त होकर आगे बढ़ जाते। लोग उन्हें देखकर हैरत में पड़ते। रास्ते में कुछ ट्रक वालों को भी उन पर दया आई, कुछ दूर साथ बैठाकर भी ले गये। लोगों ने मदद की, यूपी पुलिस ने भी खाना आदि की मदद की, मगर बिहार पुलिस ने कोई मदद नहीं की। बहरहाल, ज्योति के अदम्य साहस से इस परिवार की किस्मत बदल गई है। लोग कहने लगे हैं कि ऐसी बेटी सबको दे भगवान। बिहार सरकार चौकस हो गई। घर में तीन नल लग गये हैं, शौचालय तैयार हो गया। रोज नया सम्मान मिल रहा है। कई संस्थाओं ने पैसे दिये हैं, पिता मोहन पासवान कहते हैं, खाते में चैक नहीं किया। लेकिन मैं अपने बच्चों की पढ़ाई ठीक से करा पाऊंगा। कभी ज्योति पैसे न होने के कारण नौवीं की पढ़ाई नहीं कर पायी थी। अब बिहार सरकार ने उसे स्कूल में दाखिला दिला दिया है। खेल मंत्री किरन रिजिजू ने स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया को ज्योति का ट्रायल लेने को कहा है। अभी लंबे कष्टदायक सफर में कमर में हुए घावों का ज्योति इलाज करा रही है। फिर दिल्ली आकर ट्रायल देगी। सब कह रहे हैं भगवान सब को ज्योति जैसी बेटी दे। मगर यहां यह सवाल भी उठता है कि व्यवस्था वंचित समाज के प्रति कब संवेदनशील होगी, ताकि कोई ज्योति फिर साइकिल से अपने पिता को बैठाकर बारह सौ किलोमीटर का सफर न तय करे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डीएलएफ की बुकिंग बिक्री में मामूली बढ़ोतरी, कंपनी को अप्रैल-जून से ज्यादा उम्मीद नहीं

नयी दिल्ली। रियल्टी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी डीएलएफ की बुकिंग से होने वाली शुद्ध बिक्री बीते वित्त वर्ष में दो प्रतिशत बढ़कर 2,485 करोड़ रुपये रही, हालांकि कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिए लागू देशव्यापी लॉकडाउन और गुरुग्राम में उसके कुछ प्रोजेक्ट की इकाइयों के रद्द होने के चलते कंपनी अपने बिक्री लक्ष्य से पीछे रह गई। इसके साथ ही डीएलएफ ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही के दौरान कारोबार बुरी तरह प्रभावित होने की आशंका है। कंपनी ने बताया कि उसकी कुल बिक्री 3,450 करोड़ रुपये और शुद्ध बिक्री 2,485 करोड़ रुपये रही। कंपनी ने 2,700 करोड़ रुपये की बिक्री का लक्ष्य तय किया था। डीएलएफ ने एक निवेशक प्रस्तुतिकरण में बताया कि हरियाणा के गुरुग्राम में डीएलएफ फेज-5 में विभिन्न परियोजनाओं के लिए लगभग 800 करोड़ रुपये की बुकिंग को रद्द कर दिया गया। लक्जरी प्रोजेक्ट कैमेलियास के लिए ज्यादातर बुकिंग रद्द की गईं। डीएलएफ ने भविष्य की संभावनाओं के बारे में कहा कि वित्त वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही के अत्यधिक खराब रहने की आशंका है। कंपनी ने लॉकडाउन के विस्तार और बाजार में खरीदारों की कमी को इसकी वजह बताया। कंपनी ने उम्मीद जताई कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही से हालात में कुछ सुधार होगा।

कमजोर वैश्विक संकेतों से सोना वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली, विदेशी बाजारों में कमजोरी के रुख के बाद कारोबारियों ने अपने जमा सौदों की कटान की जिससे वायदा कारोबार में शुक्रवार को सोने की कीमत 0.58 प्रतिशत की गिरावट के साथ 46,423 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। एमसीएक्स में सोना के अगस्त माह में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 273 रुपये अथवा 0.58 प्रतिशत की गिरावट के साथ 46,423 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई जिसमें 14,382 लॉट के लिए कारोबार हुआ। सोना के अक्टूबर माह में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 267 रुपये अथवा 0.57 प्रतिशत की गिरावट के साथ 46,547 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई जिसमें 5,399 लॉट के लिए कारोबार हुआ। न्यूयॉर्क में सोना 0.62 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,716.70 डॉलर प्रति औंस रह गया।

आईएमएफ ने पाकिस्तान को कर्ज कम करने के लिये सरकारी कर्मचारियों का वेतन खर्च स्थिर रखने को कहा

इस्लामाबाद. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान को सार्वजनिक कर्ज के बढ़ते बोझ के कारण सरकारी कर्मचारियों का वेतन स्थिर रखने और नये बजट में प्राथमिक घाटा कम रखते हुए राजकोषीय स्थिति बेहतर बनाने के लिये कहा है। स्थानीय मीडिया की खबरों में इसकी जानकारी मिली। स्थानीय अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून की शुक्रवार की एक खबर के अनुसार, पाकिस्तान के लिये आईएमएफ की इन दो मांगों को मान पाना मुश्किल हो रहा है, लेकिन आईएमएफ जोर दे रहा है कि सार्वजनिक कर्ज के अधिक बोझ के चलते देश को राजकोषीय स्थिति मजबूत करने के रास्ते पर चलना चाहिये। पाकिस्तान का सार्वजनिक कर्ज पहले ही उसकी अर्थव्यवस्था के आकार के 90 प्रतिशत पर पहुंच चुका है। अखबार ने वित्त मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से कहा कि सार्वजनिक ऋण में वृद्धि और जी-20 देशों से कर्ज से राहत मांगने के पाकिस्तान के फैसले के कारण, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पाकिस्तान को सरकारी कर्मचारियों के वेतन को रोकने के लिये कहा है। हालांकि, पाकिस्तान की सरकार इस मांग का विरोध कर रही है क्योंकि उच्च मुद्रास्फीति के कारण लोगों की वास्तविक आय खत्म हो चुकी है। बहरहाल, पाकिस्तान की सरकार 67 हजार से अधिक पदों को समाप्त करने के लिये तैयार है। ये पद एक साल से अधिक समय से रिक्त हैं। इसके अलावा पाकिस्तान की सरकार वाहनों की खरीद समेत मौजूदा व्यय को और कम करने के लिये भी तैयार है। आईएमएफ की प्रमुख मांग है कि सरकार को प्राथमिक बजट घाटे के लक्ष्य की घोषणा करनी चाहिये और सिर्फ 184 अरब रुपये यानी पाकिस्तान के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का महज 0.4 प्रतिशत होना चाहिये। आईएमएफ की मांगों का विरोध करने के लिये पाकिस्तान के अपने कारण हैं, क्योंकि मौजूदा आर्थिक परिस्थितियों के कारण उसे अगले वित्त वर्ष में राजस्व संग्रह में कोई खास तेजी आती नहीं दिख रही है। अखबार ने कहा कि उच्च मुद्रास्फीति के कारण लोगों की वास्तविक आय समाप्त हो जाने को लेकर पाकिस्तान सरकार अपने कर्मचारियों का वेतन बढ़ाने की तैयारी में है। पाकिस्तान की सरकार 12 जून को नया बजट पेश करने वाली है। यह बजट ऐसे समय आ रहा है, जब पाकिस्तान की सरकार राजकोषीय स्थिति को ठीक करने तथा आर्थिक वृद्धि को गति देने के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रही है। इसके अलावा वित्त मंत्रालय आईएमएफ के कार्यक्रम को पुनः बहाल करने के लिये वाशिंगटन स्थित आईएमएफ अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संवाद कर रहा है। आईएमएफ की 0.4 प्रतिशत प्राथमिक बजट घाटा रखने की मांग से इतर, सरकार ने प्रस्ताव दिया है कि लक्ष्य सकल घरेलू उत्पाद का 1.9 प्रतिशत या 875 अरब रुपये होना चाहिये।

सेंसेक्स में 307 अंक का उछाल, स्टेट बैंक के बेहतर तिमाही परिणाम से शेयर सात प्रतिशत से अधिक चढ़ा

मुंबई,

एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) जैसे बड़े शेयरों में तेजी के दम पर शुक्रवार को सेंसेक्स 307 अंक की तेजी के साथ बंद हुआ।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 34,405.43 अंक के उच्चतम स्तर को छूने के बाद अंततः 306.54 अंक यानी 0.90 प्रतिशत बढ़कर 34,287.24 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह, एनएसई का निफ्टी भी 113.05 अंक यानी 1.13 प्रतिशत बढ़कर 10,142.15 पर पहुंच गया। देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई का एकल शुद्ध लाभ मार्च तिमाही में चार गुना से अधिक बढ़कर 3,580.81 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसके दम पर एसबीआई का शेयर करीब आठ प्रतिशत चढ़ गया। यह सेंसेक्स की कंपनियों में सर्वाधिक तेजी रही। टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी तरफ, टीसीएस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज ऑटो और इंफोसिस के शेयर गिरकर बंद हुए। रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) के शेयर में कारोबार के दौरान साल भर के उच्चतम स्तर पर पहुंच जाने के बाद मुनाफा वसूली देखने को मिली। कंपनी ने अपनी डिजिटल इकाई जियो प्लेटफॉर्म्स में 1.85 प्रतिशत हिस्सेदारी अबू धाबी स्थित स्वायत्त निवेशक मुबाडाला को 9,093.60 करोड़ रुपये में बेचने की घोषणा की। कारोबारियों के अनुसार, विशिष्ट शेयरों की मजबूती के अलावा, वैश्विक बाजारों के सकारात्मक संकेतों और विदेशी निवेशकों के लगातार लिवाल बने रहने के कारण घरेलू शेयर बाजार में तेजी का रुख रहा। प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने बृहस्पतिवार को 2,905.04 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध खरीदारी की। कोटक सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष (पीसीजी रिसर्च) संजीव जरबड़े ने कहा, ÷मौजूदा सप्ताह वैश्विक बाजारों के लिए अच्छा रहा है, क्योंकि प्रमुख बाजारों ने एक ठोस बढ़त दर्ज की है।÷ उन्होंने कहा कि अमेरिका के कमजोर आर्थिक आंकड़ों तथा अशांति के बीच अर्थव्यवस्था में लॉकडाउन के धीरे-धीरे हटाये जाने से उत्पन्न सकारात्मक भावना ने तेजी को प्रेरित किया गया है। एशियाई बाजारों में चीन का शंघाई कंपोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग, दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्की बढ़त के साथ बंद हुआ। यूरोप में शेयर बाजार दो प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ खुले। इस बीच, ब्रेंट क्रूड का वायदा 2.73 प्रतिशत बढ़कर 41.08 डॉलर प्रति बैरल हो गया। रुपया डॉलर के मुकाबले 75.58 पर स्थिर बंद हुआ।

संसाधनों का इस्तेमाल समझदारी से हो, नई योजनाएं न लाएं: वित्त मंत्रालय

नयी दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने सभी मंत्रालयों और विभागों से चालू वित्त वर्ष में कोई नई योजना शुरू नहीं करने को कहा है। मंत्रालय का कहना है कि कोविड-19 संकट के मद्देनजर संसाधनों का इस्तेमाल समझदारी से करने की जरूरत है। वित्त मंत्रालय के तहत आने वाले व्यय विभाग के कार्यालय ज्ञापन में कहा गया है कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज, आत्मनिर्भर भारत अभियान पैकेज और अन्य घोषित विशेष पैकेजों के लिए कोष आवंटित किया जाएगा। इसके अलावा चालू वित्त वर्ष के लिए पहले से मंजूर योजनाएं अगले साल 31 मार्च या अगले आदेश तक स्थगित रहेंगी। इनमें वे योजनाएं भी शामिल हैं जिनको विभाग की ओर से सैद्धान्तिक मंजूरी मिल गई है। व्यय विभाग ने कहा, ''कोविड-19 महामारी संकट के बीच सार्वजनिक वित्तीय संसाधनों की मांग काफी बढ़ी है। बदलती प्राथमिकताओं के मुताबिक हमें संसाधनों का इस्तेमाल सावधानी से करने की जरूरत है।'' इसमें कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष 2020-21 में किसी योजना-उपयोजना के लिए कोई नया प्रस्ताव नहीं लाया जाएगा। सिर्फ प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज, आत्मनिर्भर भारत अभियान पैकेज और अन्य विशेष पैकेज के तहत संसाधनों का आवंटन किया जाएगा। मौजूदा चल रही योजनाओं के बारे में विभाग ने कहा कि इन्हें पहले ही 31 मार्च, 2021 या 15वें वित्त आयोग की सिफारिशें क्रियान्वयन में आने की तारीख, जो भी पहले हो, तक विस्तार दे दिया गया है। व्यय विभाग ने स्पष्ट किया है कि जो योजनाएं कड़ाई से इन निर्देशों का पालन नहीं करती हैं, उन्हें कोई कोष जारी नहीं किया जाएगा। इसके अलावा इन योजनाओं के लिए कोई बजटीय प्रावधान भी नहीं किया जाएगा। इन दिशानिर्देशों से किसी तरह की छूट के लिए व्यय विभाग की अनुमति लेनी होगी।

RBI ने की पेमेंट्स इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड बनाने की घोषणा

नई दिल्ली :

भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को पेमेंट्स इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड (पीआईडीएफ) बनाने की घोषणा की। यह फंड 250 करोड़ रुपए के शुरुआती योगदान के साथ बनाया जाएगा। इस फंड से टीयर-3 से लेकर टीयर-6 तक के केंद्रों और पूर्वोत्तर राज्यों में कारोबारियों को प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीन अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। पीओएस मशीन के जरिए कारोबारी डिजिटल तरीके से भुगतान स्वीकार सकते हैं। इससे उन्हें नकदी को संभालने की जरूरत नहीं रहती। पिछले कुछ समय से रिजर्व बैंक देश में ई-भुगतान प्रणालियों के उपयोग को बढ़ावा दे रही है। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि समय के साथ देश के भुगतान इकोसिस्टम में कई विकल्प सामने आते गए हैं। इनमें बैंक अकाउंट, मोबाइल फोन, कार्ड, आदि शामिल हैं। भुगतान प्रणाली के डिजिटाइजेशन को और बढ़ावा देने के लिए पूरे देश में एक्सेप्टेंस इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को बढ़ावा देने की जरूरत है। खासकर पिछड़े क्षेत्रों में इसे बढ़ावा देने की और भी ज्यादा जरूरत है।

500 करोड़ रुपए का होगा फंड

भारतीय रिजर्व बैंक के बयान के मुताबिक यह फंड 500 करोड़ रुपए का होगा। आरबीआई 250 करोड़ रुपए के शुरुआती योगदान के साथ इसे शुरू करेगा। बाकी आधी राशि देश में काम कर रहे कार्ड इशुइंग बैंक और कार्ड नेटवर्क लगाएंगे।

फंड को नियमित अंतराल पर अन्य पूंजी भी मिलती रहेगी

बयान के मुताबिक परिचालन खर्चों को पूरा करने के लिए पीआईडीएफ को कार्ड जारी करने वाले बैंकों और कार्ड नेटवर्क से नियमित अंतराल पर अन्य नकदी योगदान भी मिलता रहेगा। जरूरत पड़ने पर आरबीआई सालाना आधार पर पूंजी में होने वाली कमी को भी पूरा करता रहेगा।

पीआईडीएफ आरबीआई के पर्यवेक्षण के तहत काम करेगा। इसका परिचालन एक एडवायजरी काउंसिल करेगा।

बिना टच एटीएम से निकलेगा पैसा, बैंक कर रहे हैं कॉन्टेक्टलेस ATM की तैयारी

(एजेंसी)।

अब एटीएम से पैसे निकालने के लिए किसी भी बटन को टच करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके लिए पेमेंट्स कंपनी एजीएस ट्रांजेक्ट टेक्नोलॉजीज ने एक प्रोटोटाइप बनाया है। जिसके जरिए एटीएम स्क्रीन पर क्यूआर कोड स्कैन करने के बाद मशीन से इंटरफेस के लिए बैंक के मोबाइल एप का इस्तेमाल किया जाएगा। तेजी से बढ़ते कोरोना के खतरे को देखते हुए लोग अब एक-दूसरे से मिलने और हाथ मिलाने से भी डर रहे है। लोगों के अंदर डर इस कदर बना हुआ है कि अब रोजाना के इस्तेमाल में आने वाली चीजों को छुने से भी कतरा रहे है। रोजाना के इस्तेमाल की बात करें तो इस वक्त एटीएम में लोगों का काफी आना-जाना लगा हुआ है। कुछ लोग डिजिटल पेयमेंट का सहारा ले रहे है तो कुछ एटीएम से पैसे निकाल कर अपने जरूरत के सामानों को खरीद रहे है। हर रोज भारी मात्रा में लोग एटीएम का इस्तेमाल कर रहे है जिससे कोरोना संक्रमण के फैलने का काफी खतरा बना हुआ है। इसी को देखते हुए बैंक बड़ा फैसला लेने जा रहा है जिसके तहत अब एटीएम से पैसे निकालने के लिए किसी भी बटन को टच करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके लिए पेमेंट्स कंपनी एजीएस ट्रांजेक्ट टेक्नोलॉजीज ने एक प्रोटोटाइप बनाया है। जिसके जरिए एटीएम स्क्रीन पर क्यूआर कोड स्कैन करने के बाद मशीन से इंटरफेस के लिए बैंक के मोबाइल एप का इस्तेमाल किया जाएगा। ये एक कॉन्टेक्टलेस एटीएम कहलाएगा जिसके तहत कस्टमर को स्क्रीन पर क्यूआर कोड को स्कैन करने के लिए बैंक के स्मार्टफोन एप का इस्तेमाल करना होगा। इसके बाद मोबाइल पर निकासी राशि और पिन डालकर बिना एटीएम मशीन को टच किए उपभोक्ता कैश कलेक्ट कर लेगा।

कई बैंकों की कॉन्टेक्टलेस एटीएम की योजना

देश में अभी एजीएस ट्रांजेक्ट बैंको के लिए 70 हजार एटीएम चलाती है। इस वक्त कंपनी दो बैंको के लिए कॉन्टेक्टलेस एटीएम तैयार कर रही है। इन दो बैंको के अलावा अभी 4 और बैंको में कॉन्टेक्टलेस एटीएम को लाने की बात चल रही है। बता दें कि इस कॉन्टेक्टलेस एटीएम को तैयार करने के लिए सॉफ्टवेयर में बदलाव करना होगा। इस बदलाव में कम से कम 8 हफ्ते का समय लगेगा। इसकी बड़ी वजह यह है कि बैंकों के पास मोबाइल बैंकिंग, एटीएम ऑपरेशन और एटीएम मेनटेनेंस के लिए कई सर्विस प्रोवाइडर है। टाइम्स ऑफ इंडिया के खबर के मुताबिक एजीएस ट्रांजेक्ट के सीटीओ महेश पटेल ने बताया कि एटीएम कार्ड की तुलना में क्यूआर कोड ज्यादा सुरक्षित है। यह प्रक्रिया काफी तेज है और सेफ भी। इससे कोरोना के संक्रमण का खतरा फैलने का डर नहीं होगा। बता दें कि इस प्रोसेस से सिर्फ 25 सेकंड में ही पैसे निकल सकते है। देश के बड़े बैंक जैसे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और आईसीआईसीआई बैंक ने स्मार्टफोन के इस्तेमाल से पैसों की कार्डलेस ट्रांजेक्शन के लिए एप तैयार किया है। ये एप कोरोना संक्रमण से पहले तैयार किए गए थे। इसके लिए एटीएम को टच नहीं करना पड़ता है लेकिन दूसरे बैंक के एटीएम से पैसा नहीं निकाल सकते हैं।

कोरोना के कारण 26.5 करोड़ लोगों के समक्ष भुखमरी का संकट: अध्ययन

नई दिल्ली :

कोरोना वायरस महामारी के कारण विश्व में 26.5 करोड़ लोगों के सामने भुखमरी का खतरा पैदा हो गया है। इसके अलावा भारत में भी लगभग एक करोड़ 20 लाख लोगों के समक्ष यही स्थिति पैदा हो गई है। एक नए अध्ययन में यह दावा किया गया है। सीएसई द्वारा प्रकाशित 'स्टेट ऑफ इंडियाज एनवायरनमेंट इन फिगर्स 2020' रिपोर्ट में महामारी के बड़े मैमाने पर होने वाले आर्थिक प्रभाव के बारे में कहा गया है।

इस रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक गरीबी दर में 22 वर्षों में पहली बार वृद्धि होगी। रिपोर्ट में कहा गया है, 'वैश्विक आबादी का 50 फीसदी लॉकडाउन में हैं जिनकी आय या तो बहुत कम है अथवा उनके पास आय का कोई साधन नहीं है। आय का स्रोत समाप्त हो जाने से चार से छह करोड़ लोग आने वाले महीनों में गरीबी में जीवन व्यतीत करेंगे। इसमें कहा गया है, 'भारत की गरीब आबादी में एक करोड़ बीस लाख लोग और जुड़ जाएंगे जो विश्व में सर्वाधिक हैं।' सीएसई की महानिदेशक सुनीता नारायण के अनुसार पिछले चार सालों में हुई मौसम की घटनाएं दुनिया भर के आर्थिक जोखिमों में सबसे आगे हैं।

उन्होंने कहा, 'हमारी एक तरफा और खराब विकास रणनीतियों के साथ इसका असर भारत के गरीबों पर बहुत अधिक हुआ है और कोरोना वायरस महामारी का प्रभाव भी अब इस दुर्भाग्य के साथ जुड़ गया है।' नारायण ने कहा कि सीएसई के नए प्रकाशन में इन्हीं बातों को स्पष्ट रूप से कहा गया है।

कोरोना संकट: इस सेक्टर पर नहीं होगा लॉकडाउन का असर! जारी रहेगी ग्रोथ

बिजनेस डेस्क :

कोरोना संकट में आम लोगों को राहते देने वाली खबर आई है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की रिपोर्ट में बताया गया है कि खेती पर लॉकडाउन का खास असर नहीं होगा। इस वित्त वर्ष में एग्रीकल्चर की ग्रोथ 2.5 फीसदी रहेगी। आपको बता दें कि कोरोना वायरस की महामारी से कई सेक्टर्स में बिजनेस गतिविधियां बंद होने से वहां भारी नुकसान हुआ है। हालांकि, कृषि एकमात्र ऐसा सेक्टर हैं, जहां से देश की तरक्की के लिए अच्छे संकेत मिले हैं। लॉकडाउन के बावजूद घरेलू खंड में दूध की खपत काफी हद तक स्थिर रही है। होटल और रेस्तरां क्षेत्रों से मांग, जो कुल दूध की खपत में 15-20 फीसदी का योगदान करती है, एकदम लड़खड़ा गई लेकिन उम्मीद है कि लॉकडाउन हटाने के बाद धीरे-धीरे इसमें सुधार होगा।

सरकार ने उठाए कई बड़े कदम

सरकार ने एग्रीकल्चर सेक्टर में ग्रोथ को बढ़ाने के लिए कई बड़े कदम उठाए है। पिछले हफ्ते न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और खरीद का समर्थन मूल्य बढ़ा दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार ने 14 खरीफ फसलों के लिए एमएसपी बढ़ोतरी की घोषणा की है, जिससे किसानों को उनके उत्पादन लागत पर 50-83 फीसदी लाभ मिलने का आश्वासन दिया गया है। बागवानी उत्पाद जल्दी खराब होने वाले होते हैं। मंडियों में इनकी आवक में भारी कमी के बावजूद अप्रैल में इनकी थोक कीमतों में गिरावट आई।

एटलस साइकिल ने विश्व साइकिल दिवस पर बंद किया अपना आखिरी कारखाना

नयी दिल्ली, एक जमाने में देश के अंदर साइकिल का पर्याय मानी जाने वाली 'एटलस साइकिल' ने दिल्ली से सटे साहिबाबाद में अपनी आखिरी विनिर्माण इकाई भी बंद कर दी। कंपनी ने अपनी यह इकाई तीन जून को बंद की जो संयोगवश विश्व साइकिल दिवस होता है। कंपनी ने कहा है कि उसके पास कारखाना चलाने के लिए कोष नहीं है। उसने अपने बचे हुए 431 कर्मचारियों को भी निकाल दिया है। हालांकि] कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एन.पी. सिंह राणा का कहना है कि कारखाने को अस्थायी तौर पर बंद किया गया है। उसके पास बिना उपयोग का एक भूखंड पड़ा है। इसे बेचकर कंपनी करीब 50 करोड़ रुपये जुटाने के बाद कारखाने को दोबारा शुरू करेगी। राणा ने जोर देकर कहा कि निकाले गए कर्मचारी कंपनी के स्थायी कर्मचारी हैं। कंपनी उनकी दैनिक हाजिरी के आधार पर उन्हें निलंबन के दौरान मिलने वाला वेतन देगी। हालांकि कंपनी ने कर्मचारियों को दिए जाने वाले वेतन की पुष्टि नहीं की है। आम तौर पर निलंबन अवधि के दौरान कर्मचारियों को उनके मूल वेतन का 50 प्रतिशत और महंगाई भत्ता मिलता है। कंपनी का साहिबाबाद संयंत्र देश के सबसे बड़े साइकिल विनिर्माण संयंत्र में से एक था। इसमें 1989 में उत्पादन शुरू हुआ था। इसकी क्षमता दो लाख से अधिक साइकिल मासिक की है। यद्यपि कंपनी के कर्मचारियों का दावा है कि कारखाने को बिना किसी पूर्व सूचना के बंद कर दिया गया। बुधवार को कारखाने के गेट पर नोटिस चस्पा कर दिया गया, ''कंपनी पिछले कई सालों से कोष की कमी से जूझ रही है। अब उसके पास कारखाने को चालू रखने के लिए कोई पैसा नहीं बचा है। इसलिए अब हमें प्रतिदिन के परिचालन में दिक्कत आ रही है। हम कच्चा माल खरीदने में भी असमर्थ हैं। इस परिस्थिति में प्रबंधन कारखाने को चालू रखने की स्थिति में नहीं है।'' हालांकि, कर्मचारियों से छुट्टियों को छोड़कर हाजिरी भरने के लिए कहा गया है। घाटे के चलते कंपनी ने दिसंबर 2014 में अपना पहला संयंत्र मालनपुर में बंद कर दिया था। बाद में घाटा बढ़ने के साथ ही फरवरी 2018 में कंपनी ने अपने हरियाणा के सोनीपत संयंत्र को भी बंद कर दिया।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

लियोनेल मेस्सी ने किया अलग अभ्यास, पहले मैच में खेलना संदिग्ध

मैड्रिड। लियोनेल मेस्सी ने बुधवार को बार्सिलोना की टीम के साथ अभ्यास नहीं किया जिसके बाद उनके अगले सप्ताह से शुरू हो रही ला लिगा फुटबाल चैंपियनशिप के पहले मैच में खेलने को लेकर संदेह व्यक्त किया जाने लगा है। बार्सिलोना ने हालांकि कहा कि मेस्सी को लेकर चिंता की कोई बात नहीं है क्योंकि उन्होंने केवल जिम में समय बिताने को प्राथमिकता दी लेकिन मीडिया रिपोर्टों के अनुसार मामला कुछ और है। टीवी चैनल टीवी3 ने कहा कि मेस्सी की जांघ की मांसपेशियों में हल्का खिंचाव है और जिससे उनका बार्सिलोना के 13 जून को मालोर्का के खिलाफ होने वाले मैच में खेलना संदिग्ध है। कोरोना वायरस महामारी के कारण पिछले लगभग तीन महीने से प्रतियोगिता ठप्प पड़ी है और यह वापसी के बाद बार्सिलोना का पहला मैच होगा। रिपोर्ट में कहा गया है मेस्सी की चोट की वास्तविक स्थिति का पता करने के लिये उनका परीक्षण किया गया। बार्सिलोना ने हालांकि इसकी पुष्टि नहीं की। टीम गुरुवार को विश्राम करेगी और फिर शुक्रवार से अभ्यास पर लौटेगी।

भारत एएफसी महिला एशिया कप 2022 की मेजबानी करेगा

नयी दिल्ली.

एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने 1979 के बाद पहली बार 2022 महिला एशियाई कप की मेजबानी के अधिकार भारत को दिये हैं। यह फैसला एएफसी महिला फुटबॉल समिति की बैठक में लिया गया। फरवरी में एएफसी महिला फुटबॉल समिति ने भारत को मेजबान बनाने की सिफारिश की थी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को लिखे पत्र में एएफसी के महासचिव दाटो विंडसर जॉन ने लिखा, ''समिति ने एएफसी महिला एशिया कप 2022 फाइनल्स की मेजबानी के अधिकार अखिल भारतीय फुटबॉल को सौंपे हैं। '' एआईएफएफ अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने कहा, ''मुझे एशियाई फुटबॉल परिसंघ का शुक्रिया करना होगा जिसने हमें 2022 में एएफसी महिला एशिया कप की मेजबानी के लिये उचित समझा। '' उन्होंने कहा, ''टूर्नामेंट महत्वकांक्षी महिला खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करेगा और जहां तक देश में महिला फुटबॉल का संबंध है तो यह सामाजिक क्रांति लायेगा। '' टूर्नामेंट में 12 टीमें भाग लेंगी जिन्हें पिछले चरण की आठ टीमों से बढ़ा दिया गया है। भारत बतौर मेजबान सीधे ही क्वालीफाई कर लेगा। टूर्नामेंट 2023 फीफा महिला विश्व कप के लिये अंतिम क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट के तौर पर भी काम करेगा। एआईएफएफ के लिये यह मेजबानी मनोबल बढ़ाने वाली है क्योंकि उसे फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप की मेजबानी भी सौंपी गयी थी जिसका आयोजन अगले साल होगा। भारत ने 2016 में एएफसी अंडर-16 चैम्पियनशिप और 2017 में फीफा अंडर-17 विश्व कप की मेजबानी की थी।एआईएफएफ के महासचिव कुशल दास ने कहा, ''यह टूर्नामेंट भारत में महिला फुटबॉल को लोकप्रिय बनाने में अहम भूमिका निभायेगा। महिला एशिया कप 2022 से पहले फीफा अंडर-17 महिला विश्व 2020 की मेजबानी करेंगे जिससे हमें लय बढ़ाने में मदद मिलेगी। ''

राफेल नडाल 2020 यूएस ओपन के आयोजन को लेकर आशंकित

न्यूयार्क।

कोरोना वायरस महामारी के कारण अगर फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट स्थगित नहीं होता तो यह टूर्नामेंट दूसरे सप्ताह में चल रहा होता और राफेल नडाल अपने 20वें ग्रैंडस्लैम खिताब की कवायद में लगे होते लेकिन इसके बजाय वह स्पेन में अपने घर में हल्का अभ्यास कर रहे हैं और हर किसी की तरह वह भी सुनिश्चित नहीं हैं कि अगला ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट यूएस ओपन हो पाएगा या नहीं। नडाल ने गुरुवार को वीडियो कान्फ्रेंस कॉल में यूएस ओपन के आयोजन के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, 'अगर आप मुझसे आज इसका उत्तर जानना चाहते हों तो मेरा जवाब न होगा।' उन्होंने कहा, 'अगले दो महीने में क्या होगा, मैं नहीं जानता। तब मेरा जवाब हां भी हो सकता है लेकिन हमें तब तक इंतजार करना होगा जब तक कि हमारे पास वायरस और न्यूयार्क की दो महीने बाद की स्थिति को लेकर अधिक स्पष्ट जानकारी नहीं होती है। नडाल ने कहा, 'निश्चित तौर पर न्यूयार्क उन स्थानों में शामिल है जहां वायरस का अधिक प्रकोप रहा है। इसलिए देखते हैं।' यूएस ओपन के बारे में एक सप्ताह के अंदर फैसला लिये जाने की संभावना है। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इस टूर्नामेंट का मुख्य ड्रा 31 अगस्त से न्यूयार्क में शुरू होगा।

एस ओपन के बारे में एक सप्ताह के अंदर फैसला लिये जाने की संभावना है। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इस टूर्नामेंट का मुख्य ड्रा 31 अगस्त से न्यूयार्क में शुरू होगा।

हैदराबाद ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट कोविड-19 महामारी के चलते रद्द

नई दिल्ली।

कोविड-19 महामारी को देखते हुए गुरूवार को विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने 11 से 16 अगस्त तक होने वाले हैदराबाद ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट को रद्द कर दिया। बीडब्ल्यूएफ ने बयान में कहा, 'बीडब्ल्यूएफ और भारतीय बैडमिंटन संघ ने बीडब्ल्यूएफ टूर के एक सुपर 100 टूर्नामेंट हैदराबाद ओपन 2020 (11 से 16 अगस्त) को रद्द करने पर सहमति जतायी है। यह टूर्नामेंट बीडब्ल्यूएफ के उस संशोधित कैलेंडर का हिस्सा था जो महामारी की वजह से मार्च से टूर्नामेंट रद्द होने के बाद खेल को बहाल करने के लिये बनाया गया था। बीडब्ल्यूएफ महासचिव थॉमस लुंड ने कहा, 'कुछ देशों और क्षेत्रों में परिस्थितियां बदल रही हैं और बदलना जारी रहेंगी और इसलिए बीडब्ल्यूएफ को जरूरत पड़ने पर टूर्नामेंट की स्थिति के बारे में अपडेट करने की जरूरत पड़ सकती है।

भारोत्तोलक संजीता चानू आईडब्ल्यूएफ से मुआवजे की मांग करेंगी

नई दिल्ली।

राष्ट्रमंडल खेलों की दो बार की स्वर्ण पदक विजेता के संजीता चानू अंतरराष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएफ) से मानसिक उत्पीड़न पहुंचाने के लिये मुआवजे की मांग करेंगी क्योंकि वह लंबे समय से चल रहे अपने डोपिंग मामले के फैसले का इंतजार कर रही हैं। चानू को नवंबर 2017 में एनाबोलिक स्टेराइड टेस्टोस्टेरोन का पॉजिटिव पाया गया था। तब से उनके मामले पर अभी तक कोई फैसला नहीं आया है जिसमें कई तरह की प्रशासनिक गड़बड़ियां भी हुईं। चानू के भाई और सुनवाई के गवाह बिजेन कुमार खुमुकचाम ने कहा, 'हमने सोचा कि मामला खत्म हो गया है क्योंकि आईडब्ल्यूएफ ने उसे प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति दे दी। लेकिन हाल में हमने अर्जुन पुरस्कार के लिये आवेदन किया और जब हमने भारतीय महासंघ से संपर्क किया तो उन्होंने कहा कि उसका मामला अभी खत्म नहीं हुआ है। उस पर से अभी डोपिंग का कलंक हटा नहीं है। उन्होंने कहा, 'हमने पहले मुआवजा मांगने की बात नहीं सोची थी लेकिन अब यह मामला इतना लंबा चला गया है। मुआवजा केवल पैसे की बात नहीं है बल्कि वह पिछले दिनों इससे इतनी परेशान हुई है। चानू पर 15 मई 2018 से 22 जनवरी 2019 तक नौ महीने के लिए अस्थायी निलंबन लगाया गया था, जिसके बाद उन्हें टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति दी गई थी।

संक्षिप्त समाचार

अर्जुन पुरस्कार के लिए नामित हॉकी खिलाड़ियों ने कहा, ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन एकमात्र लक्ष्य

बेंगलुरू। अर्जुन पुरस्कार के लिए नामित वंदना कटारिया और मोनिका ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय महिला हॉकी टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा संतुलन है और तोक्यो ओलंपिक में उम्दा प्रदर्शन करना ही उनका लक्ष्य है। हॉकी इंडिया द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में वंदना ने कहा, 'हम इस समय सही दिशा में आगे बढ रहे हैं। टीम में अच्छा संतुलन है और हमें आगे बढते रहना है। उन्होंने कहा, 'टीम आत्मविश्वास से ओतप्रोत है और मुझे यकीन है कि हम ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे। मोनिका ने कहा कि सभी खिलाड़ियों ने अपने हुनर को निखारने पर काफी मेहनत की है। उन्होंने कहा, 'हम सभी का एक ही लक्ष्य है कि ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन करे। हमने अपने कौशल पर काफी मेहनत की है और अपनी ओर से कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।' उन्होंने कहा, 'टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है और तकनीकी तौर पर भी हम कम नहीं है। हमें ओलंपिक का इंतजार है।

सहवाग का अपार आत्मविश्वास व सकारात्मकता विलक्षण : लक्ष्मण

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने पूर्व विस्फोटक सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग की तारीफ करते हुए कहा कि सहवाग का आत्मविश्वास और सकारात्मकता विलक्षण और दूसरों पर प्रभाव डालने वाली थी। लक्ष्मण ने ट्विटर पर लिखा, उच्च गुणवत्ता वाली तेज गेंदबाजी के सामने उनकी दक्षता पर सवाल उठाने वालों का मजाक बनाते हुए वीरेंद्र सहवाग ने अपने आप को टेस्ट क्रिकेट के इतिहास के सबसे घातक सलामी बल्लेबाजों स्थापित किया। वीरू का अपार आत्मविश्वास और सकारात्मकता विलक्षण और दूसरों पर प्रभाव डालने वाली थी। सहवाग को उनके करियर के समय सबसे खतरनाक टेस्ट ओपनर बल्लेबाज के रूप में जाना जाता था। उन्होंने भारत के लिए 104 टेस्ट, 251 वनडे और 19 टी 20 मैच खेले जिसमें उन्होंने क्रमशः 8586, 8273 और 394 रन बनाए। 41 वर्षीय सहवाग भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज हैं।

ईसीबी ने कहा, कोरोनावायरस सब्सटीट्यूट पर चर्चा कर रही है आईसीसी

लंदन।

इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के इवेंट्स डायरेक्टर स्टीव एलवर्दी ने खुलासा किया है कि टेस्ट मैच के दौरान अगर कोई खिलाड़ी कोविड-19 पॉजिटिव पाया जाता है तो उसके स्थान पर दूसरे खिलाड़ी को सब्सटीट्यूट के रूप में टीम शामिल करने की संभावनाओं पर अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) चर्चा कर रही है। मौजूदा कन्कशन नियम के मुताबिक, अगर किसी खिलाड़ी के सिर में चोट लग जाती है और वह इसके कारण बाहर हो जाता है तो उसकी जगह दूसरा खिलाड़ी मैच में उसका स्थान ले सकता है और बल्लेबाजी/गेंदबाजी कर सकता है। बाकी और चोटों या बीमारी के हालात में सब्सटीट्यूट फील्डर उतारा जाता है लेकिन वह गेंदबाजी या बल्लेबाजी नहीं कर सकता। एलवर्दी ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, कोविड-19 सब्सटीट्यूट को लेकर आईसीसी चर्चा कर रही है। मुझे उम्मीद है कि इसे जल्द ही अगर वनडे और टी 20 में नहीं तो भी टेस्ट में आईसीसी की मंजूरी मिल जाएगी। उन्होंने कहा, खिलाड़ी के कोरोना संक्रमित होने की सूरत में सबसे पहले स्टेडियम में मौजूद कोविड डॉक्टर और इंग्लैंड के स्वास्थ्य विभाग को इसकी जानकारी दी जाएगी और फिर संबंधित खिलाड़ी को आइसोलेशन में भेज दिया जाएगा। अगर आईसीसी इसे अपनी मंजूरी दे देती है तो टेस्ट में कोरोनावायरस सब्सटीट्यूट का यह नियम इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच खेली जाने वाली तीन टेस्ट मैच की सीरीज में लागू किया जा सकता है। वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज आठ जुलाई से शुरू होगी। पहला मैच हेम्पशायर के एजेस बाउल पर खेला जाएगा, जबकि दूसरा और तीसरा मैच ओल्ड ट्रेफर्ड मैदान पर खेला जाएगा। आईसीसी की क्रिकेट समिति ने पहले ही गेंद को चमकाने के लिए सलाइवा का इस्तेमाल न करने की सलाह दी है।

विविधता के बिना क्रिकेट कुछ भी नहीं : आईसीसी

नई दिल्ली।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अमेरिका में अश्वेत शख्स जॉर्ज फ्लॉयड की मौत के बाद हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच शुक्रवार को कहा है कि वह नस्लभेद के खिलाफ है। आईसीसी ने कहा, विविधता के बिना क्रिकेट कुछ भी नहीं है। विविधता के बिना आपको असल तस्वीर भी नहीं मिलती। आईसीसी ने यह बात एक वीडियो के साथ ट्वीट की जिसमें इंग्लैंड विश्व कप-2019 की जीत का जश्न मना रही है। इंग्लैंड टीम को अपनी विविधता के लिए जाना जाती है क्योंकि उसमें दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड और दक्षिण एशियाई मूल के खिलाड़ी आम तौर से खेलते दिखते हैं। टीम के कप्तान इयोन मार्गन खुद आयरलैंड के हैं। मोर्गन ने विश्व कप जीत के बाद कहा था कि अल्लाह टीम के साथ है, जैसा कि लेग स्पिनर आदिल राशिद ने उनसे कहा था। फाइनल के बाद मोर्गन ने संवाददाता सम्मेलन में कहा था, हमारे साथ अल्लाह भी था। मैंने आदिल से बात की थी। उन्होंने कहा था कि अल्लाह निश्चित तौर पर हमारे साथ है। इससे पहले, भारतीय बल्लेबाज अभिनव मुकुंद और पूर्व तेज गेंदबाज डोडा गणेश ने खुलासा किया था कि कभी उन्हें भी क्रिकेट के मैदान पर नस्लीय टिप्पणियों का सामना करना पड़ा था। वहीं वेस्टइंडीज के क्रिस गेल और डैरेन सैमी ने भी नस्लभेद के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की थी और क्रिकेट जगत से इसके खिलाफ बोलने की अपील की थी।

इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाले शीर्ष-10 खिलाड़ियों में कोहली

नई दिल्ली। भारत के कप्तान विराट कोहली इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाले शीर्ष-10 खिलाड़ियों की सूची में इकलौते क्रिकेटर हैं। यह आंकड़े 12 मार्च से 14 मई के बीच यानी लॉकडाउन के बीच अटेन ने जुटाए हैं जिसमें कोहली ने अपनी पहचान शीर्ष खिलाड़ियों में दर्ज कराई है। कोहली इस सूची में छठे स्थान पर हैं। उन्होंने स्पांसर पोस्ट के जरिए 379, 294 पाउंड जुटाए हैं। उन्होंने इस लॉकडाउन के दौरान सिर्फ तीन पोस्ट किए और प्रति पोस्ट लगभग 126,431 पाउंड कमाए हैं। इस सूची में दुनिया के स्टार फुटबाल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो पहले नंबर पर हैं। इस दौरान इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर पुर्तगाल के इस खिलाड़ी ने 1.8 मिलियन पाउंड कमाए हैं। रोनाल्डो के बाद स्पेन के फुटबाल कल्ब बार्सिलोना के लिए खेलने वाले अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी दूसरे और ब्राजील के स्टार फुटबालर नेमार तीसरे स्थान पर हैं। इन दोनों ने क्रमशः 1.2 और 1.1 मिलियन पाउंड कमाए हैं।

लय में लौटने के लिए आईपीएल से पहले एक कैम्प लगनी चाहिए : चाहर

नई दिल्ली।

भारतीय तेज गेंदबाज दीपक चाहर का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) शुरू होने से पहले एक कैम्प का आयोजन किया जाना चाहिए, जोकि क्रिकेट की वापसी के लिए बेहतरीन होगा। चाहर को दिसंबर 2019 में चोट लग गई थी लेकिन अब वह फिट हैं और फिर मैदान पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। चाहर ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि दिसंबर में चोट की खबर उनके लिए थोड़ा डरावना था क्योंकि इससे पूरी तरह से ठीक होने में उन्हें कम से कम तीन चार महीने लगेंगे। उन्होंने कहा, जब मुझे चोट के बारे में पता चला तो मेरे लिए यह एक तनाव फ्रैक्चर जैसा था और इसे पूरी तरह से ठीक होने में तीन-चार महीने लग गए। इसलिए शुरू में यह थोड़ा डरावना लगा क्योंकि यह मेरे करियर का बहुत ही महत्वपूर्ण चरण था। मैं टी 20 में अच्छा प्रदर्शन कर रहा था। लेकिन मैं पहले भी चोटिल हुआ था और मुझे पता था कि इससे कैसे पार पाना है और फिर मजबूती से वापसी करनी है। यह पूछे जाने पर कि लॉकडाउन उनके लिए आशीर्वाद की तरह रहा और इस दौरान उन्हें चोट से उबरने में मदद मिली। तेज गेंदबाज ने कहा कि वह कभी नहीं चाहते थे कि ऐसी स्थिति हो क्योंकि इस महामारी के कारण हर किसी को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा है। चाहर ने कहा, जब लॉकडाउन शुरू हुआ था तब मैं फिट हो चुका था और मैदान पर वापसी की सोच रहा था। लेकिन अब जब हमें यह बताया गया कि कोरोनावायरस महामारी से लड़ने के लिए हमें घरों में ही रहना है तो मैंने सोचा कि अपनी ताकतों पर काम करने के लिए मेरे पास यह और अच्छा मौका है। मैंने दिल से ट्रेनिंग की। उन्होंने कहा, मैं ढाई साल पहले भी चोटिल हुआ था। लेकिन उस समय मुझे खुद पर काम करने का समय नहीं मिल रहा था और मैं बिना रूके ही क्रिकेट खेल रहा था।

अगर आप गिनती करेंगे तो पाएंगे कि मैं ज्यादा से ज्यादा दो-तीन दिनों के लिए घर आता था। जब मैंने लगातार खेलना शुरू कर दिया था तो फिर शरीर के निचले हिस्से में मेरी ताकत कम हो गई थी। मैं इस पर काम नहीं कर सकता था। शरीर को खेल से 30-40 दिन दूर रखने की आवश्यकता थी। इसलिए इस ब्रेक ने मेरी ताकतों और साथ ही शरीर के निचले हिस्सों पर काम करने में मेरी मदद की। एक तेज गेंदबाज के रूप में आपके शरीर का निचला हिस्सा शिखर पर रहे। अब चीजें धीरे धीरे सामान्य होती जा रही है और चाहर का कहना है कि वह आईपीएल के साथ प्रतिस्पर्धात्मक क्रिकेट में वापसी करना पसंद करेंगे।

हमारी आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ पर्यावरण देते हैं : पुजारा

राजकोट ।

विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर भारतीय टेस्ट टीम के बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने अपने प्रशंसकों से अपील करते हुए कहा है कि वह प्रकृति का ख्याल रखें और आने वाली पीढ़ी के लिए स्वस्थ एवं सुरक्षित पर्यावरण देकर जाएं। पुजारा ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया, अब हम प्रकृति का ख्याल रखते हैं और आने वाली पीढ़ी को सुंदर जीवन जीने के लिए स्वस्थ और खुशहाल पर्यावरण देते हैं। विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं। हाल ही में भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली ने कहा था कि वह पुजारा को हालात सामान्य होने पर पहले अभ्यास सत्र में बल्लेबाजी करते देखना चाहते हैं। भारत को इस साल के अंत में आस्ट्रेलिया का दौरा करना है और चार टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। भारत पर इस बार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी बचाने की जिम्मेदारी है जो उसने 2018-19 में आस्ट्रेलिया को उसी के घर में हराकर जीती थी और इतिहास रचा था। उस जीत में पुजारा ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उर्वशी रौतेला ने किया अपने धर्म का खुलासा, एक्ट्रेस ने बताया किस भगवान की करती हैं पूजा?

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उर्वशी रौतेला ने अपने फिल्मी करियर की शुरूआत 20013 में की थी। अभी तक उर्वशी ने लीड रोल में केवल चार फिल्मों में काम किया हैं तब भी वह सुर्खियों में बनीं रहती हैं। उर्वशी रौतेला अपनी फिल्मों सें ज्यादा अपने लव अफेयर को लेकर चर्चा में रहती हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के के खिलाड़ी ऋषभ पंथ और हार्दिक पांड्या के साथ उर्वशी का नाम जोड़ा जा चुका हैं। इसके अलावा उर्वशी अपने हॉट फोटोशूट के कारण भी खबरों में बनीं रहती हैं। हाल ही में उन्होंने बिकनी में बॉल्ड फोटोशूट करवाया हैं।

सोशल मीडिया पर उर्वशी रौतेला ने एक पोस्ट शेयर की हैं जिसमें उन्होंने अपने धर्म के बारे में बताया हैं। उर्वशी ने एक फोटो शेयर करते हुए कहा है कि मेरा कोई धर्म नहीं हैं मेरा धर्म केवल प्यार हैं। मेरा दिल ही मेरा मंदिर हैं। उर्वशी का एकता भरा ये संदेश लोगों को काफी पसंद आ रहा हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट के कमेंट बॉक्स में लोग उनकी काफी तारीफ कर रहे हैं।

आपको बता दें कि फिल्म हेट स्टोरी के हिट होने के बाद उर्वशी रौतेला फिल्म पागलपंती में नजर आयी थी। उर्वशी के डांस को बॉलीवुड में काफी पसंद किया जाता हैं लेकिन बतौर एक्टर उन्हें अभी अपने आपको साबित करने के लिए काफी मेहनत करनी होगी।

जब अनुष्का शर्मा के प्यार में पागल हुआ करते थे रणवीर सिंह, कहीं भी किस करने का मौका नहीं छोड़ते

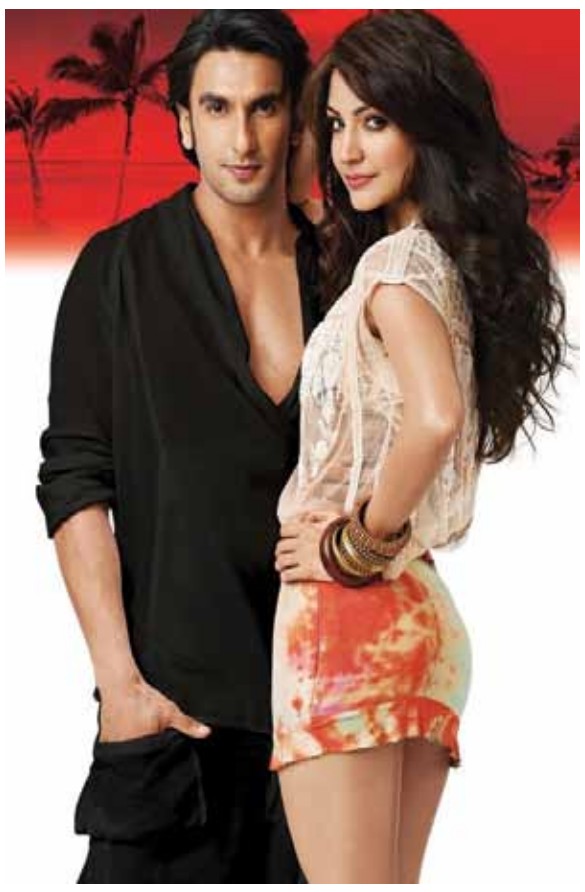

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली और अनुष्का शर्मा की शादी 2017 में हुई थी। दोनों लंबे समय से एक दूसरे को डेट कर रहे थे और दोनों ने तीन साल पहले बहुत ही धूम धाम से ईटली में रॉयल शादी की। दोनों की जोड़ी विरुष्का के नाम से फैमस हैं। दोनों की जोड़ी को फैंस भी काफी पसंद करते हैं। दोनों के बीच की कैमिस्ट्री सोशल मीडियो पर शेयर की गयी तस्वीरों में दिखाई पड़ती हैं। वहीं रणवीर सिंह की बात करें तो उन्होंने 2018 में अपनी लॉन्ग टाइम गर्फफ्रेंड दीपिका पादुकोण से शादी कर ली। दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह की जोड़ी का क्रेज बॉलीवुड में काफी देखने को मिलता हैं। रणवीर सिंह और अनुष्का शर्मा दोनों अपने दोनों इस समय अपनी-अपनी जिंदगी में काफी खुश हैं।

एक समय था जब रणवीर सिंह और अनुष्का शर्मा एक-दूसरे को डेट किया करते थे। 2010 में आयी फिल्म बैंड बाजा बारात में दोनों ने साथ काम किया था। दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने भी काफी पसंद किया था। कहा जाता हैं कि अनुष्का शर्मा उस समय रणवीर सिंह को डेट कर रही थी। दोनों की रील लाइफ कैमिस्ट्री रीयल लाईफ में काफी जोड़ पकड़ रही थी। उस 2010-2012 तक दोनों की लव स्टोरी के चर्चे हर अखबार और चैनल में हुआ करते थे।

सोशल मीडिया पर इस समय एक वीडियो वायरल हो रहा हैं जिसे फिल्मी ज्ञान ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया हैं। इस वीडियो में रणवीर सिंह फिल्म का प्रमोशन करते हुए अनुष्का शर्मा को किस कर रहे हैं। अनुष्का शर्मा वीडियो में कुछ अनकमफर्ट सी भी दिख रही हैं। जैसे की रणवीर सिंह अपनी शानदार एक्टिंग के साथ-साथ अपने कूल और फन लविंग एटिट्यूड के लिए जाने जाते हैं वह इस वीडियो में भी मजाकिया अंदाज में फिल्म प्रमोशन के दौरान अनुष्का को किस करते नजर आ रहे हैं।

रवीना टंडन ने डेनिम शॉर्ट में किया 'आत्मनिर्भर' हॉट फोटोशूट, बारिश से लिए बदला लुक

बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन तीन सालों से बॉलीवुड से दूर हैं। आखिरी बार 2017 में आयी फिल्म मातृ में उन्हें देखा गया था। फिल्मों से दूर रहने के बावजूद रवीना टंडन कभी सुर्खियों से दूर नहीं रहीं। वह अपने बेबाक बयानों को लेकर सुर्खियों में बनीं रहती हैं। रवीना टंडन सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में रवीना ने भारत को आत्मनिर्भर बनाने की पीएम मोदी की अपील का समर्थन करते हुए हुए आत्मनिर्भर फोटोशूट किया हैं।

रवीना टंडन ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। जिसे शेयर करते हुए रवीना ने कहा कि मुंबई की बारिश के लिए ये मेरा नया लुक हैं जिसे मैंने आत्मनिर्भर शूट किया हैं। रवीना की ये तस्वीरें मिरर सेल्फी हैं। जिसमें वह काफी कूल लुक में दिखाई दे रही हैं। तस्वीरों में रवीना ने हॉट सी एक डेनिम ब्लेक शेड में शॉर्ट पहनी हुई हैं और उसके उपर उन्हों ने डेनिम शर्ट कैरी की हुई हैं। रवीना लुक को बदलने के लिए बालों को कर्ली करके खोला हुआ हैं और वाइट शेड में चश्मा लगाया हुआ हैं। तस्वीर को शेयर करते हुए रवीना ने कैप्शन में कुछ ज्ञान की बातें भी लिखी हैं जिसे वह चाहती हैं कि उनके फैंस फॉलों करें। पोस्ट पर रवीना लिखती हैं कि बादलों भरा दिन, डेनिम्स बाहर निकल गई है, निसर्ग तूफान का इंतजार चेकलिस्ट- इमरजेंसी बैटरी लाइट्स को चार्ज करके तैयार रखें। आसपास की नलियों को साफ करें। अपने फोन पर एक अच्छी फिल्म डाउनलोड कर लें। खाने के छोटे-मोटे सामान तैयार रखें।

लंबे समय से फिल्मों से दूर रवीना टंडन जल्द ही फिल्म केजीएफ के दूसरे चैप्टर में नजर आने वाली हैं। फिल्म की कास्ट फाइनल हैं और शूटिंग भी शुरू की जा चुकी थी लेकिन लॉकडाउन के कारण शूटिंग को रोक दिया गया था। अब एक बार फिर शर्तो को आधार पर शूटिंग की परमिशन दे दी गयी हैं।

एक ही तो दिल है सोनू सूद कितनी बार जीतोगे! चक्रवात 'निसर्ग' से प्रभावित 28000 लोगों की मदद की

इस समय बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद की चारों तरफ से काफी तारीफ हो रही हैं। सोनू सूद वो इंसान हैं जिन्होंने बिना किसी की शिकायत किए बस इंसानियत का धर्म निभाया। आपने अकसर देखा होगा कि सड़क पर कोई केले का छिल्का फेंक देता हैं तो बहुत से लोग सफाई का ज्ञान देने के लिए आ जाते हैं लेकिन छिलके को हटाता कोई नहीं। सब सफाई वाले के आने का इंतजार करते हैं।बहुत ही कम लोग होते हैं जो चुपचाप आकर बिना किसी को ज्ञान दिए छिल्का हटा कर फिर से जगह को साफ कर देते हैं। कुछ ऐसा ही सोनू सूद ने किया। एक तरफ राजनीति चमकाने के लिए प्रवासी मजदूरों के पलायन पर बड़ी लंबी-लंबी चैनलों पर बहस हो रही थी। लोग सोशल मीडिया पर उनके दर्द की बातें कर रहे थे। कहानी-कविता लिख रहे थे लेकिन मदद के लिए कोई सामने नहीं आ रहा था।

ऐसे में सोनू सूद ने अपने दम पर लॉकडाउन में परमिशन के साथ बसों से प्रवासी मजदूरों को उनके घर भेजा। गरीबों के लिए खाने का इंतजाम किया। लोंगो को राशन भिजवाया। प्रवासी मजदूरों की मदद के बाद उन्होंने केरल में फंसी 177 लड़कियों को एयरलिफ्ट किया। सोनू सूद लॉकडाउन और कोरोना वायरस से प्रभावित हर जरूरत मंद की मदद कर रहे हैं। इनके इस कदम से चोरों और से सोनू सूद की तारीफ की जा रही हैं। लोगों की मदद कर रहे सोनू सूद ने एक और मिसाल दी हैं।

अभिनेता सोनू सूद ने कहा कि उन्होंने और उनकी टीम ने तटीय इलाकों के नजदीक रहने वाले चक्रवात 'निसर्ग' से प्रभावित 28,000 लोगों को रहने की जगह और खोने-पीने का सामान मुहैया कराया। कोरोना वायरस से निपटने के लिए लगाए गए लॉकडाउन के कारण फंसे हुए प्रवासी मजदूरों को भी घर पहुंचाने का इंतजाम अभिनेता कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि चक्रवात से प्रभावित लोगों को नगर निगम स्कूल और कॉलेजों में ठहराया गया है। सूद ने एक बयान में कहा, '' आज, हम सब कठिन समय का सामना कर रहे हैं और इससे निपटने का सबसे सही तरीका एक-दूसरे का साथ देना ही है। मेरी टीम और मैंने मुम्बई के तटीय इलाकों में रहने वाले 28,000 से अधिक लोगों को खाना बांटा और उन्हें विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों में ठहराया। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि वह सुरक्षित रहें।'' अभिनेता ने चक्रवात 'निसर्ग' के कारण मुम्बई में फंसे असम के 200 से अधिक प्रवासियों की मदद भी की। विज्ञप्ति में कहा गया कि प्रवासियों के सूद से ट्विटर पर सम्पर्क करने के बाद उनके रहने और खाने-पीने का इंतजाम किया। चक्रवात 'निसर्ग' मुम्बई के करीब अलीबाग तक पहुंचा लेकिन इसने महानगर को प्रभावित नहीं किया और अब यह महाराष्ट्र में पश्चिमी विदर्भ में दबाव के क्षेत्र में तब्दील हो गया है और फिर कमजोर पड़ जायेगा।

होस्टेज 2 की अभिनेत्री ने अपने किरदार के बारें मे की बात

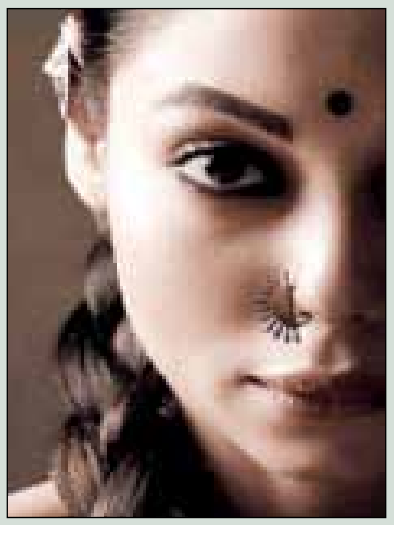

कोरोना वायरस महामारी ने फिल्मों सीरियल्स की शूटिंग को अनिश्चित काल के लिए रोक दिया गया था। लेकिन अब स्थिति धीरे धीरे सामान्य होते नजर आ रही है। वेब सीरीज मिर्जापुर से मनोरंजन जगत में नाम कमा चुकी अनंग्शा बिस्वास अपनी आगामी सीरीज 'होस्टेज 2' के लिए पूरी तरह से तैयार है। यह 'होस्टेज' का सेकंड पार्ट है, जिसमे अनंगशा बिस्वास के अलावा रोनित रॉय , टिस्का चोपड़ा, और अन्य शामिल है। अनंग्शा ने कहा शुरुआत में हाइमा का किरदार मेरे लिए काफी चुनौतीपूर्ण हिस्सा था। सुधीर मिश्रा सर, सचिन कृष्णन सर सहित पूरी टीम ने बहुत मदद की।

मशहूर फिल्म निर्माता बासु चटर्जी का 93 वर्ष की उम्र में निधन

''**रजनीगन्धा**'' और ''चितचोर'' जैसी आम जनमानस से जुड़ी, हल्के फुल्के अंदाज वाली फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले अनुभवी फिल्म निर्माता बासु चटर्जी का उम्र संबंधी बीमारियों के कारण बृहस्पतिवार को निधन हो गया। वह 93 वर्ष के थे। चटर्जी के परिवार में उनकी बेटियां सोनाली भट्टाचार्य और रूपाली गुहा हैं। सांताक्रूज स्थित अपने आवास पर उन्होंने नींद में ही अंतिम सांस ली। इंडियन फिल्म एंड टेलीविजन डायरेक्टर्स एसोसिएशन (आईएफडीटीए) के अध्यक्ष अशोक पंडित ने कहा, ''उन्होंने सुबह के समय नींद में ही शांति से अंतिम सांस ली। वह उम्र संबंधी दिक्कतों के कारण पिछले कुछ समय से ठीक नहीं थे और उनके आवास पर ही उनका निधन हुआ। यह फिल्म उद्योग के लिए भारी क्षति है।''

पंडित ने बताया कि फिल्म निर्माता का अंतिम संस्कार सांता क्रूज श्मशान घाट पर किया जाएगा। फिल्म उद्योग और अन्य क्षेत्रों के कई लोगों ने निर्देशक के निधन पर शोक जताया। चटर्जी ने मध्यम वर्ग और उसकी हर दिन की खुशियों और जद्दोजहद को अपनी फिल्मों का केंद्र बनाया था। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, ''दिग्गज फिल्म निर्देशक और पटकथा लेखक बासु चटर्जी के निधन से दुखी हूं। उन्होंने हमें 'छोटी सी बात', 'चितचोर', 'रजनीगन्धा', 'ब्योमकेश बख्शी', 'रजनी' जैसी तमाम शानदार फिल्में दीं। उनके परिवार, दोस्तों, प्रशंसकों और पूरे फिल्म समुदाय के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं।''

फिल्म निर्माता हंसल मेहता ने कहा कि चटर्जी अपने पीछे सिनेमा की महान विरासत छोड़ गए हैं। ''कहानी'' फिल्म के निर्देशक सुजॉय घोष ने कहा, ''बासु चटर्जी चले गए। मेरे विचार से बहुत कम लोग रोजमर्रा की जिंदगी को उस अंदाज में देख पाते हैं, जैसा कि उन्होंने देखा। उनकी सभी फिल्में आम आदमी के चेहरे पर मुस्कुराहट लाती हैं। मैं उनका बहुत बड़ा प्रशंसक हूं और इसे साबित करने के लिए मैंने 'कहानी 2' बनाई।''

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार-समाचार

झारखंड में कोरोना से एक शख्स की मौत, किडनी की बीमारी का रिम्स में चल रहा था इलाज

रांची.झारखंड में कोरोना मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती ही जा रही है. राज्य में जहां कोरोना मरीजों की संख्या 843 पहुंच गई है वहीं, कोरोना से एक शख्स की मौत भी हो गई है. झारखंड में कोरोना से मौत का आंकड़ा सात हो गया है. सिमडेगा के 70 वर्षीय शख्स की मृत्यु कोरोना से हो गई है.

वो पहले से किडनी रोग से भी ग्रसित था और रांची के निजी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा था. कल देर रात मृतक को रिम्स रेफर किया गया था जहां कोविड वार्ड में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई है. पोस्टमार्टम के बाद ही परिजनों को शव सौंपा जाएगा.

आपको बता दें कि झारखंड में फिलहाल 447 एक्टिव केस हैं और 390 मरीज ठीक हो चुके हैं. राज्य के सभी 24 जिले में कोरोना वायरस का संक्रमण फैल चुका है. खुद सीएम हेमंत सोरेन कोरोना वायरस पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और साथ ही उच्चस्तरीय बैठक कर मामलों की समीक्षा भी कर रहे हैं.

राज्य सभा चुनाव को लेकर CM शिवराज ने कांग्रेस को घेरा, कहा- राजा को लाना चाहती है पार्टी

भोपाल.मध्य प्रदेश में 19 जून को होने वाले राज्यसभा चुनाव को लेकर सियासी बयानबाजियों का दौर तेज हो गया है. मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी दिग्विजय सिंह और फूल सिंह बरैया में से पहली प्राथमिकता वाली सीट को लेकर कांग्रेस को घेरा है.

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि यह तो कांग्रेस सोचे एक एससी नेता को लाना चाहते हैं या राजाओं को लाना चाहते हैं वो सोचे. कांग्रेस को किसी एक बारे में तो सोचना ही होगा.

सीएम शिवराज से पहले मंत्री गोपाल भार्गव भी कांग्रेस के उम्मीदवारों को लेकर चुटकी ले चुके थे. उन्होंने कहा था कि 'दिग्विजय बरैया का स्टेपनी की तरह उपयोग कर रहे, दिग्विजय सिंह ने फूल सिंह बरैया को सेकेंडरी उम्मीदवार बनवाया है.'

इतना ही नहीं भार्गव का कहना था कि दिग्विजय सिंह की वजह से कांग्रेस की सरकार गिरी है. दिग्विजय सिंह अपने स्वार्थ के लिए कांग्रेस में कूटनीति रच रहे हैं.

आपको बता दें कि एमपी में जो तीन राज्यसभा की सीट खाली हुई हैं उनमें बीजेपी (BJP) की ओर से 2 प्रभात झा और सत्यनारायण जटिया की सीट शामिल हैं। जबकि कांग्रेस की ओर से दिग्विजय सिंह का कार्यकाल खत्म हुआ हैं.

ADG का अजीबोगरीब पत्र, बेरोजगारी में प्रवासियों द्वारा अपराध की जताई आशंका

➤बिहार में प्रवासी श्रमिकों का मुद्दा इन दिनों गरमाया हुआ है. वहीं, प्रवासी श्रमिकों को लेकर बिहार के विधि व्यवस्था एडीजी अमित कुमार ने सभी डीएम, एसपी और रेल एसपी को पत्र लिखा है.

पटना. बिहार में प्रवासी श्रमिकों का मुद्दा इन दिनों गरमाया हुआ है और इस बीच प्रवासी श्रमिकों को लेकर बिहार के विधि व्यवस्था एडीजी अमित कुमार ने सभी डीएम, एसपी और रेल एसपी को अजीबोगरीब पत्र लिखा है. ये पत्र बिहार की सियासी पारा बढ़ा भी सकता है.

दरअसल, एडीजी अमित कुमार ने पत्र में लिखा है, 'बिहार में भारी संख्या में स्थानीय नागरिकों का आगमन हुआ है जो अन्य राज्य में श्रमिक के रूप में काम कर रहे थे. वो फिलहाल गंभीर आर्थिक चुनौतियों के कारण सभी तनावग्रस्त हैं. सरकार की अथक कोशिशों के बाद भी राज्य के अंदर सभी को वांछित रोजगार मिलने की संभावना कम है. इसलिए वो अनैतिक और कानून के खिलाफ गतिविधियों को अंजाम दे सकते हैं.'

कार्य योजना बनाने की कही बात

साथ ही एडीजी ने स्थानीय परिदृश्य को देखते हुए कार्य योजना बनाने की बात भी कही है. एडीजी अमित कुमार की चिट्ठी से कई सवाल भी खड़े हो रहे हैं कि क्या अप्रवासी मजदूर चोर, डकैत या लुटेरे हैं या राज्य सरकार इन्हें रोजगार देने में वाकई असमर्थ होगी.

प्रवासी मजदूरों पर है दलों की निगाहें

बड़ा सवाल यहां ये भी उठ रहा है कि उन्हें ये चिट्ठी की जरूरत क्यों पड़ी और क्या बिहार सरकार इस खत के समर्थन में हैं. आपको बता दें कि इस साल बिहार में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और ऐसे में बड़ी संख्या में लौटे प्रवासी मजदूरों पर सभी राजनीतिक पार्टियों की निगाहें हैं.

25 लाख से ज्यादा लोग लौटे बिहार

सभी दल प्रवासियों को रिझाने में जुट गए हैं. उन्हें वोटर बनाने की तैयारी भी जल्द ही शुरू की जाएगी. चुनाव आयोग बड़े पैसमाने पर अभियान चलाएगा. आपको बता दें कि अब तक बिहार में 25 लाख से ज्यादा लोग लौट चुके हैं. सभी को वोटर बनाने का भी अभियान शुरू हो जाएगा. फिलहाल बिहार में 7 करोड़ 18 लाख मतदाता हैं. ऐसे समय में एडीजी का ये पत्र बिहार की सियासत में हलचल पैदा कर सकता है.

तेजस्वी का VIDEO के जरिए सरकार पर हमला ,कहा- 'इन्हें मजदूरों का दर्द क्यूं नहीं दिखता'

तेजस्वी ने लिखा, 'कैसा कलेजा है इस सरकार का? इन्हें मजदूरों का दर्द क्यूं नहीं दिखता? इनका दु:ख सांझा करने की बजाय, ये इनके छालों, आंसुओं, भूख, पीड़ा और मौत पर भी राजनीति करने से बाज नहीं आ रहे.'

पटना. बिहार विधानसभा (Bihar Vidhansabha) में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव (Tejashwi Yadav) ने एक बार फिर से राज्य की एनडीए (NDA) सरकार पर निशाना साधा है. तेजस्वी ने अपने ट्विटर अकाउंट पर एक भावनात्मक वीडियो ट्वीट किया है.

इस वीडियो में तेजस्वी ने कोरोना वायरस (Coronavirus) के कारण हुए लॉकडाउन (Lockdown) में श्रमिकों को हुई समस्या का जिक्र किया है और इसी को लेकर एनडीए (NDA) सरकार पर हमला किया है.

तेजस्वी ने वीडियो ट्वीट करते हुए लिखा, 'कैसा कलेजा है इस सरकार का ? इन्हें मजदूरों का दर्द क्यूं नहीं दिखता ? इनका दु:ख सांझा करने की बजाय, ये इनके छालों, आंसुओं, भूख, पीड़ा और मौत पर भी राजनीति करने से बाज नहीं आ रहे. इस गाने को देख कर एहसास होता है, कितनी निष्ठुर सरकार चुनी है हमने.'

बता दें कि, बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं. ऐसे में राज्य में सियासत गरमाई हुई है. तेजस्वी यादव कभी प्रवासी श्रमिकों को लेकर तो कभी क्वारेंटाइन सेंटर में हुई व्यवस्था और कानून-व्यवस्था को लेकर बिहार सरकार पर हमलावर हैं.

इससे पहले, गुरुवार को भी तेजस्वी ने नीतीश सरकार पर निशाना साधा था. तेजस्वी ने कहा, 'एक तरफ नीतीश कुमार 'प्रवासी' शब्द की नैतिकता पर उपदेश देते हैं और दूसरी तरफ अपना असली रंग दिखाते हुए श्रमवीरों को लाठी से पिटवाते है, पैदल चलने पर मजबूर करते है.'

उन्होंने आगे कहा कि, नीतीश सरकार ने मुसीबत की घड़ी में राज्यवासियों को छोड़ दिया. उन्हें बिहार नहीं घुसने और आने पर वापस भेजने की धमकी दी. मुख्यमंत्री ने ट्रेन और बस नहीं होने का बहाना देकर, उन्हें आर्थिक, मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना दी. क्वारेंटाइन सेंटरो में मजदूरों के साथ पशुवत व्यवहार किया गया. उन्हें मूलभूत सुविधाओं से वंचित किया गया. क्वारेंटाइन सेंटरो में खाने में सांप, बिच्छू और छिपकली के साथ सूखा भात, नमक और मिर्च परोसी गई.

बाराबंकी में पूरे परिवार ने की आत्महत्या, सुसाइड नोट में ये लिखा ...

बाराबंकी. संदिग्ध परिस्थितियों में सफेदाबाद कोतवाली क्षेत्र के एक ही परिवार के 5 लोगों ने आत्महत्या कर ली. आत्महत्या कने वालों में माता-पिता और उनके तीन बच्चे भी शामिल हैं. इस सनसनीखेज मामले से इलाके में सभी सकते में आ गए हैं. फिलहाल पुलिस-प्रशासन जांच पड़ताल में जुटा हुआ है.

इंग्लिश में लिखा मिला सुसाइड नोट

मौके से मिला सुसाइड नोट मिला है, जो इंग्लिश में लिखा हुआ है. सुसाइड नोट में खुदकुशी करने वाले माता-पिता के दस्तखत भी हैं. सुसाइड नोट में लिखा है कि जो सुख परिवार को देना चाहिए वो हम नहीं दे पा रहे हैं. सुसाइड नोट से ऐसा लग रहा है कि परिवार के माता-पिता ने बच्चों को मारने के बाद आत्महत्या की है.

परिवार पर था 30-35 लाख का उधार

जिस परिवार के सभी लोगों ने आत्महत्या की है, उन पर इस वक्त 30 से 35 लाख का कर्ज था, जिसे वे चुका नहीं पाए थे. मिली जानकारी के मुताबिक पहले इनका मोबाइल का काम था और बाद में एक गैराज का. आशंका जताई जा रही है कि आर्थिक रूप से मुश्किल दौर से गुजर रहे दंपती ने बच्चों के साथ आत्महत्या का खौफनाक कदम उठाया है.

पिता का शव फंदे से लटका मिला

एसपी बाराबंकी के मुताबिक मौके पर फ़ोरेंसिक टीम मौजूद है. परिवार में पिता ने फंदे से लटक कर आत्महत्या की है. जबकि बाकी परिवार के सदस्यों को कैसे मारा गया है, ये पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद पता चल पाएगा.

जयपुर: इन 5 बाजारों के खुलने की उम्मीद, 8 जून से बढ़ रहा है रियायतों का दायरा

पांचों बाजारों की दुकानें भी खोलने की तैयारियां शुरू हो गई है.

जयपुर.राजस्थान की राजधानी जयपुर में कंटेनमेंट जोन से लगते हुए पांच बाजार दडा मार्केट, मनीराम जी की कोठी का रास्ता, घी वालों का रास्ता, पुरोहित जी का कटला कपड़ा मार्केट और लालजी सांड का रास्ता लॉक डाउन से बंद है, लेकिन अब इन पांचों बाजारों की दुकानें भी खोलने की तैयारियां शुरू हो गई है.

केंद्र की गाइडलाइन के तहत 8 तारीख को होटल तथा मॉल्स के मार्केट को खोले जाने की योजना है व्यापारियों को उम्मीद है कि इसी के साथ परकोटे के इन बंद पड़े पांचों बाजारों को भी खोल दिया जाएगा ताकि मार्केट की कनेक्टिंग पूर्व की भांति हो सके और व्यापार फिर से पटरी पर लौटे.

जयपुर के व्यापारियों का प्रतिनिधिमंडल बाजारों को खोलने की मांग को लेकर पुलिस कमिश्नरेट से अफसरों और जिला कलेक्टर से मिल चुका है व्यापारियों को उम्मीद है कि उनकी मांग पर यह पांचों बाजार खोल दिए जाएंगे.

दिल्ली में कोरोना मरीजों को नहीं मिल रहे बेड, नई टेस्टिंग गाइडलाइंस भी बनी मुसीबत

दिल्ली सरकार ये दावा कर रही है कि कोरोना के मरीजों के लिए बेड खाली पड़े हैं लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है.

नई दिल्ली. दिल्ली में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं. ऐसे में दिल्ली सरकार ये दावा कर रही है कि कोरोना के मरीजों के लिए बेड खाली पड़े हैं लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है. इतना ही नहीं, कोरोना के टेस्ट को लेकर सरकार की नई गाइडलाइन से मरीज और डॉक्टर दोनों परेशान हैं.

कोरोना मरीज ने अस्पताल के बाहर तोड़ा दम

राजधानी के बॉर्डर एक हफ्ते के लिए सील किए गए हैं जिससे दिल्ली के अस्पतालों में सिर्फ दिल्ली के लोगों का इलाज हो सके, लेकिन यहां तो दिल्ली के लोगों को ही अस्पताल में जगह नहीं मिल रही है. कल दिल्ली के लोक नायक अस्पताल में मामला सामने आया जिसमें एक कोरोना मरीज ने अस्पताल के बाहर इंतजार करते हुए दम तोड़ दिया. हालांकि लोक नायक अस्पताल ने सफाई पेश करते हुए कहा है कि मरीज अस्पताल में मृत लाया गया था. वहीं परिजनों का इल्जाम है कि बहुत मिन्नतें करने पर भी अस्पताल ने मरीज को

भर्ती करने से मना कर दिया. और अब दूसरे अस्पतालों में भी मरीजों को बेड नही मिल रहे.

ऐप में दी गई गलत जानकारी

हाल ही में दिल्ली सरकार ने कोरोना के मरीजों के लिए अस्पतालों में उपलब्ध बेड की जानकारी देने के लिए ऐप लॉन्च किया है. इस ऐप में दी गई जानकारी और जमीनी हकीकत में बड़ा फर्क है. दिल्ली के बी एल कपूर अस्पताल के बाहर खड़े एक कोरोना पॉजिटिव मरीज के परिजन का कहना है कि दिल्ली कोरोना ऐप में हमने देखा कि इस अस्पताल में 93 बेड खाली हैं, जबकि अस्पताल का कहना है कि यहां कोई बेड खाली नहीं है.

मरीज के परिजन का कहना है कि मेरे भाई का कोरोना टेस्ट पॉजिटिव है लेकिन उसका उपचार नही किया जा रहा. मैं अस्पतालों के चक्कर लगा रहा हूं. पहले हेल्प लाइन नंबर पर फोन किया तो उन्होंने कहा कि हमारे पास मरीज बहुत ज्यादा हैं. आपके घर टीम भेज देंगे, लेकिन 3 दिन से कोई टीम भी नहीं आई है. अब अस्पताल में आया हूं, तो यहां कह रहे हैं बेड नहीं हैं. इसके अलावा मैं ऐप में ही देख कर RLKC metro heart institute भी गया था. ऐप पर लिखा है इसमे 10 बेड उपलब्ध हैं लेकिन अस्पताल ने कह दिया कि हमारे पास कोई बेड उपलब्ध नहीं हैं.

दूसरी बड़ी चुनौती दिल्ली सरकार की नई गाइडलाइंस

दिल्ली में एक तरफ कोरोना के मरीजों को बेड नहीं मिल रहा तो दूसरी बड़ी चुनौती है मरीजों कोरोना के टेस्ट की नई गाइडलाइंस. कोरोना की टेस्टिंग को लेकर दिल्ली सरकार की नई गाइडलाइंस ने लोगों के साथ साथ डॉक्टरों की भी मुसीबत बढ़ा दी है. टेस्ट कराने आए व्यक्ति का कहना है कि मेरे पिता बुजुर्ग हैं उनको कोरोना के सिम्पटम्स थे तो मैं उनको कल यहां लेकर आया, लेकिन यहां मुझे कह दिया कि अभी बहुत सारे टेस्ट होने हैं. आप 7 तारीख तो आना, मुझे खांसी, जुकाम है, मेरे परिवार में सबको सिम्पटम हैं लेकिन हमारा टेस्ट करने से मना कर दिया गया है.

दिल्ली सरकार द्वारा जारी की गई गाइडलाइन के मुताबिक, दिल्ली के अस्पतालों में सिर्फ उन लोगों का टेस्ट होगा जिनमें,

1. कोरोना के लक्षण हों और पिछले 14 दिन में अंतरराष्ट्रीय यात्रा की हो
2. कोरोना पॉजिटिव मरीजों के संपर्क में आए हों और लक्षण हों
3. सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी इंफेक्शन के मरीज हों
4. कंटेनमेंट जोन और कोविड वार्ड में काम करने वाले लोग जिनमें लक्षण हों
5. कंटेनमेंट जोन में रहने वाले लोग जिनमें लक्षण हों.

दिल्ली सरकार से अपील

दिल्ली सरकार की टेस्टिंग को लेकर इन गाइडलाइंस से डॉक्टरों की भी परेशानी बढ़ गई है. दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन ने चिट्ठी लिखकर दिल्ली सरकार से अपील की है कि उनको टेस्ट करने की छूट दी जाए. अस्पताल में हर तरह के मरीज आते हैं. कोरोना के लक्षण दिखें ये जरूरी नहीं है. टेस्ट न करने से दूसरे मरीजों के लिए खतरा है.

दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन के प्रेसिडेंट डॉ. बीबी वाधवा का कहना है कि दिल्ली सरकार से हमारी अपील है कि वो कोरोना का टेस्ट करने का निर्णय डॉक्टरों पर छोड़ दें. अस्पताल में ऐसे कई मरीज आते हैं जिनमें लक्षण नहीं हैं लेकिन उनका टेस्ट करना जरूरी है. खास तौर पर गर्भवती महिलाएं, जब तक किसी मे लक्षण दिखेंगे, तब तक कई लोग इस से संक्रमित हो जाएंगे जो कि डॉक्टरों के लिए संभालना मुश्किल हो जाएगा.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फ्लॉयड की याद में देश भर में एकत्र हुए हजारों अमेरिकी

वाशिंगटन।

मिनियापोलिस में गोरे पुलिस अधिकारी के हाथों हुई अफ्रीकी-अमेरिकी जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या के विरोध में हजारों अमेरिकियों ने देश के विभिन्न शहरों में सड़कों पर उतरकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। उनके हाथों में पोस्टर थे जिन पर काले लोगों की जिंदगी मायने रखती है लिखा हुआ था और न्याय नहीं, शांति नहीं के नारे लगाए गए। ह्यूस्टन के रहने वाले, 46 वर्षीय फ्लॉयड को 25 मई को एक श्वेत अधिकारी ने हथकड़ी लगाकर जमीन पर गिरा दिया था और उसकी गर्दन से अपना घुटना तब तक नहीं हटाया जब तक कि उसने दम नहीं तोड़ दिया। फ्लॉयड की मौत के खिलाफ राष्ट्रव्यापी हिंसक प्रदर्शन होने लगे जहां प्रदर्शनकारियों का एक धड़ा देश भर में लूट और दंगों को अंजाम दे रहा है और बर्बादी के निशां छोड़ रहा है। मिनियापोलिस में अंतिम संस्कार के बाद फ्लॉयड को याद करने के लिए बृहस्पतिवार रात देश भर में बड़ी संख्या में शोकाकुल लोग एकत्र हुए। फ्लॉयड के लिए न्याय मांगते हुए, उन्होंने पुलिस तंत्र और आपराधिक न्याय व्यवस्था में तत्काल सुधार की मांग की। न्यूयॉर्क, वाशिंगटन डीसी, शिकागो और लॉस एंजिलिस समेत कई शहरों में पिछले कुछ दिनों में बड़े पैमाने पर हिंसा और लूट हुई है। हिंसक प्रदर्शनों के लिए देश भर में 10,000 से ज्यादा अमेरिकियों को गिरफ्तार किया गया है। लॉस एंजिलिस में प्रदर्शनकारियों ने मार्च के साथ नारेबाजी की और पृष्ठभूमि में संगीत एवं ड्रम बजता रहा। मार्च करने वालों के साथ गाडियां धीरे-धीरे चलती रहीं जहां कई चालकों एवं यात्रियों के हाथ में प्रदर्शन के चिह्न थे या वे समर्थन जुटाने के लिए खिड़कियों से अपनी बंधी मुट्ठी दिखा रहे थे। न्यूयॉर्क में, एक कार्यक्रम में शहर के मेयर बिल डे ब्लासियो के खिलाफ नारेबाजी की गई। सदन की अध्यक्ष नेंसी पैलोसी ने इस दिन को अत्यंत दुख का दिन बताया। उन्होंने अमेरिकी कैपिटल में संवाददाताओं से कहा, वे जॉर्ज फ्लॉयड की याद में पहला दिन मना रहे हैं।

यह राष्ट्रीय शोक का दिन है और हम जॉर्ज फ्लॉयड और उनके परिवार के लिए प्रार्थना कर रहे हैं और हमारे देश को इससे उबारने के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने खबर दी कि अमेरिकी शहरों में असहज खामोशी थी, इतने दिनों की अशांति के दौरान बड़े पैमाने पर हुई लूट एवं बर्बादी थम गई है और गुस्से ने दुख की शक्ल और न्याय की मांग की शक्ल ले ली है।

अमेरिका में जन्मे अपने बच्चों के लिए वीजा की मांग कर रहे हैं भारतीय

वाशिंगटन, कोरोना वायरस से निपटने के लिए भारतीय सरकार के यात्रा प्रतिबंधों के चलते भारतीय खुद को अकेला महसूस कर रहे हैं। इनमें अधिकतर एच-1बी वीजा धारक हैं, जिनके बच्चे अमेरिका में जन्मे हैं और प्रतिबंधों के तहत वे अब भारत नहीं जा सकते। भारतीय सरकार ने कोरोना वायरस से निपटने के लिए लगाए गए लॉकडाउन के कारण विदेश में फंसे भारतीय नागरिकों को वापस लाने के लिए पिछले महीने 'वंदे भारत अभियान' शुरू किया था। इस अभियान के तहत अभी तक 1.07 लाख से अधिक भारतीय स्वदेश लौट चुके हैं। अमेरिका में कामकाजी वीजा की समय सीमा समाप्त होने के बाद अंगुराज कैलासम को अमेरिकी कानून के तहत जितनी जल्दी हो सके देश वापस लौटना है लेकिन भारतीय कानून के तहत वह अपनी बेटी के साथ भारत वापस नहीं आ सकती । अंगुराज ने कहा, '' उसके (बेटी के) पास आपात वीजा है लेकिन मौजूदा यात्रा प्रतिबंध के कारण, हम भारत वापस नहीं जा सकते क्योंकि भारत सरकार ने सभी वीजा निलंबित कर दिए हैं।''उन्होंने कहा, '' भारतीय वाणिज्य दूतावास ने आपात वीजा के मेरे अनुरोध पर विचार किया और पिछले सप्ताह इसकी अनुमति दे दी लेकिन उसके साथ भी मैं तब तक यात्रा नहीं कर सकती जब तक कि आपातकालीन या प्रवेश वीजा जैसी श्रेणियों के लिए वीजा प्रतिबंधों में छूट न दी जाए।'' गोपीनाथ नागराजन ने बताया कि भारत में उनकी मां 'कोमा' (निश्चेतावस्था) में हैं। नागराजन ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, '' डॉक्टरों का कहना है कि मैं जल्द वहां पहुंच जाऊं तो सही है क्योंकि उनकी जान खतरे में हैं...वह अपने आखिरी दिन काट रही हैं।'' उन्होंने कहा, '' मैं जल्द से जल्द भारत जाना चाहता हूं लेकिन मेरी चार महीने की बच्ची (प्रकृति गोपीनाथ) है। मैं और मेरी पत्नी दोनों भारतीय पासपोर्ट धारक हैं।'' जिंसी मैथ्यू ने कहा, ''हम ऐसी स्थिति में हैं जब हम इस प्रत्यावर्तन उड़ानों में यात्रा नहीं कर सकते क्योंकि मेरा बच्चा छह महीने का है और उसके पास भारतीय वीजा या 'ओवरसीज सिटीजनशिप ऑफ इंडिया' (ओसीआई) कार्ड नहीं है। हमारे पास भारत जाने के वैध कारण है लेकिन बच्ची को अमेरिका में छोड़कर हम नहीं जा सकते।'' वहीं जिंसी का छात्र वीजा भी जल्द खत्म होने वाला है। जिंसी ने कहा, ''मैंने सैन फ्रांसिस्को में भारतीय मिशन में पंजीकरण किया है और अपने बच्चे के लिए आपात वीजा के लिए आवेदन करने की कोशिश की है लेकिन सैन फ्रांसिस्को में मिशन किसी भी आवेदन को स्वीकार नहीं कर रहा है।

कोरोना की चपेट में अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम, कराची के अस्पताल में भर्ती

नेशनल डेस्क।

भारत के मोस्ट वॉन्टेड और मुंबई बम धमाकों के मास्टरमाइंड अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम भी कोरोना वायरस की चपेट में आ गया है। दाऊद के कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद उसके गाड्र्स और अन्य स्टाफ को क्वारंटाइन कर दिया गया है। खबरों के अनुसार दाऊद और उसकी पत्नी महजबीन में कोरोना के लक्षण पाए गए थे, जांच में वह संक्रमित निकले। दोनो के कराची के एक मिलिट्री अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भारत के सबसे वांछित अपराधी दाऊद के हाल ही में दिल की बीमारी से भी पीड़ित होने की खबर सामने आई थी। बता दें कि पाकिस्तान में कोरोना वायरस तेजी से फैल रहा है। यहां चार हजार 896 नये मामले सामने आने के साथ ही कुल संक्रमितों की संख्या बढ कर 89 हजार 249 हो गयी है। पाकिस्तान के राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवाओं के मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटे में देश में कोरोना वायरस संक्रमण के कारण 68 लोगों की मौत हो चुकी है जिससे मरने वालों की संख्या बढ कर एक हजार 838 हो गयी है।

कोविड-19 : वैश्विक आंकड़ा 66 लाख के पार, 3.89 लाख मौतें

वाशिंगटन। कोरोनावायरस से संक्रमित हुए लोगों का वैश्विक आंकड़ा बढ़कर 66 लाख के पार पहुंच चुका है। वहीं, महामारी की चपेट में आकर मरने वालों की संख्या 3 लाख 89 हजार से अधिक हो गई है। अमेरिका की जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी ने यह जानकारी दी है। जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर सिस्टम साइंस एंड इंजीनियरिंग (सीएसएसई) ने नवीनतम आंकड़े जारी कर कहा, दुनियाभर में शुक्रवार सुबह तक कुल 66 लाख 01 हजार 349 लोग कोविड-19 संक्रमण से संक्रमित हुए, जिनमें से मरने वालों की संख्या 3 लाख 89 हजार 645 रही। सीएसएसई ने कहा कि दुनिया में महामारी से संक्रमित हुए और इससे मरने वालों लोगों की संख्या अमेरिका में सबसे अधिक है।कोरोना संक्रमण से सबसे अधिक प्रभावित देश अमेरिका में कुल 1 लाख 8 हजार 208 मौतों के साथ ही संक्रमण के सर्वाधिक 18 लाख 72 हजार 557 मामले दर्ज किए गए हैं।कोविड-19 संक्रमण के 5 लाख 84 हजार 16 मामलों के साथ ब्राजील इसके बाद दूसरा सबसे प्रभावित देश है, जबकि रूस 4 लाख 40 हजार 538 मामलों के साथ तीसरे स्थान पर है।वहीं, 2 लाख 83 हजार 79 मामलों के साथ ब्रिटेन, 2 लाख 40 हजार 660 मामलों के साथ स्पेन, 2 लाख 34 हजार 13 मामलों के साथ इटली, 2 लाख 26 हजार 713 मामलों के साथ भारत, 1 लाख 89 हजार 569 मामलों के साथ फ्रांस, 1 लाख 84 हजार 472 मामलों के साथ जर्मनी, 1 लाख 83 हजार 198 मामलों के साथ पेरू, 1 लाख 67 हजार 410 मामलों के साथ तुर्की, 1 लाख 64 हजार 270 मामलों के साथ ईरान, 1 लाख 18 हजार 292 मामलों के साथ चिली और 1 लाख 5 हजार 680 मामलों के साथ मेक्सिको महामारी से अन्य सबसे अधिक प्रभावित हुए देशों में शामिल हैं।सीएसएसई के आंकड़ों के अनुसार, वैश्विक मौतों के आंकड़े की बात की जाए, तो अमेरिका के बाद कुल 39 हजार 987 मौतों के साथ ब्रिटेन दूसरे स्थान पर बना हुआ है। वहीं, यूरोपीय देशों में यह आंकड़ा सर्वाधिक है।महामारी के चलते हुई 10 हजार से अधिक मौतों वाले अन्य देशों में 33 हजार 689 मौतों के साथ इटली, 32 हजार 548 मौतों के साथ ब्राजील, 29 हजार 68 मौतों के साथ फ्रांस, 27 हजार 133 मौतों के साथ स्पेन और 12 हजार 545 मौतों के साथ मेक्सिको शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

हैकर्स के निशाने पर ट्रम्प का चुनाव अभियान, गूगल ने कहा- नहीं होने देंगे सफल

इंटरनेशनल डेस्क। गूगल ने कहा कि कुछ हैकर्स ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और पूर्व उप राष्ट्रपति जो बाइडेन के अभियान को निशाना बनाने की कोशिश की हालांकि उनके सफल होने के कोई सबूत नहीं मिले हैं। कम्पनी के 'थ्रेट अनैलिसिस ग्रुप' के निदेशक शेन हंटली के ट्विटर पर इसकी जानकारी देने के बाद कम्पनी ने इसकी पुष्टि की है। हंटली ने कहा कि चीन के समूह 'हरकेन पैंडा' ने ट्रम्प के अभियान के सदस्यों और ईरान के समूह 'चार्मिंग किटन' ने बाइडन के अभियान के कार्यकर्ताओं को निशाना बनाने की कोशिश की। इस तरह के 'फिशिंग' (हैक करने के) प्रयासों में आमतौर पर फर्जी ईमेल शामिल होते हैं, जिसमें 'मैलवेयर' के जरिए पासवर्ड चुराने या यंत्रों को दूषित करने कोशिश की जाती है। 'मैलवेयर' एक प्रकार का वायरस है, जिसका इस्तेमाल कंप्यूटर पर किसी की पहचान चोरी करने या गोपनीय जानकारी में सेंध लगाने के लिए किया जाता है। कम्पनी के बयान के अनुसार दोनों अभियान से जुड़े लोगों के निजी ईमेल अकाउंट पर सेंध लगाने की कोशिश की गयी। गूगल के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह हाल ही में किया गया है और दोनों अभियानों से जुड़े कुछ लोगों को निशाना बनाया गया। गूगल ने कहा कि उसने लक्षित उपयोगकर्ताओं को सतर्क किया और मामले को संघीय कानून प्रवर्तन को सौंप दिया। अटलांटिक काउंसिल के डिजिटल फोरेंसिक रिसर्च लैब के निदेशक ग्राहम ब्रूकी ने इस घोषणा को साइबर की मदद से अभियान को प्रभावित करने संबंधी एक प्रमुख खुलासा बताया, जैसा कि 2016 में देखा गया था। उनका इशारा डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी और हिलेरी क्लिंटन के 2016 के राष्ट्रपति अभियान को रूस द्वारा हैक किए जाने की ओर था, जिसके खुलासे के बाद 2016 राष्ट्रपति चुनाव में रूसी हस्तक्षेप और ट्रम्प की जीत पर कई सवाल उठे। ट्रम्प और बाइडेन की ओर से हैकिंग के इस हालिया प्रयास पर कोई टिप्पणी नहीं की गयी है।

कोविड-19 : फ्रांस में 44 नई मौतें, कुल 29 हजार से अधिक लोगों ने गंवाई जान

पेरिस । फ्रांस में कोरोनावायरस महामारी के चलते पिछले 24 घंटों में 44 मरीजों ने दम तोड़ा, जिसके बाद से यहां कोविड-19 संक्रमण से मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 29 हजार 65 हो गया है। हेल्थ मिनिस्ट्री ने बयान जारी कर गुरुवार को इस बात की जानकारी दी। इसमें कहा गया है कि हालांकि, बुधवार को यही संख्या 81 और मंगलवार को 107 थी। वहीं, नई दैनिक मौतों में केवल अस्पताल में हुई मौतें शामिल हैं।हेल्थ मिनिस्ट्री ने कहा, नर्सिंग होम और मेडिको-सोशल प्रतिष्ठानों में हुई मौतों का आंकड़ा साप्ताहिक आधार पर (अगले) मंगलवार को अपडेट किया जाएगा। कोविड-19 महामारी से संक्रमित अस्पतालों में भर्ती मरीजों का आंकड़ा भी 413 के साथ घटकर अब 13 हजार 101 हो गया है। इनमें से भी 1 हजार 163 का उपचार इंटेंसिव केयर यूनिट में हो रहा है। इससे एक दिन पहले इसमें भर्ती मरीजों की संख्या 47 थी।अमेरिका, ब्रिटेन, इटली और ब्राजील के बाद कोविड-19 के कारण मानव हानि के मामले में फ्रांस अब दुनिया का पांचवां देश है।

नाइजीरिया में सेना के अभियान में 392 बंदूकधारियों की मौत

अबुजा । नाइजीरिया की सेना के मुताबिक कई दिनों तक चले एक बड़े अभियान में उसने 392 बंदूकधारियों को मार गिराया है।सेना के प्रवक्ता जॉन इनेचे ने गुरुवार को मीडिया को यह जानकारी दी। श्री इनेचे के मुताबिक 14 मई को देश के उत्तर-पश्चिमी प्रांत कत्सिना में सेना ने पुलिस के साथ मिलकर एक संयुक्त अभियान शुरू किया। इसका उद्देश्य देश के उत्तरी क्षेत्र में डाकुओं और अन्य अपराधों के खतरे को समाप्त करना था। इस अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने प्रमुख रूप से दो क्षेत्रों में कई बंदूकधारियों को मार गिराया।एक जून को सुरक्षाबलों ने बचे हुए बंदूकधारियों का भी सफाया कर दिया।सेना के प्रवक्ता ने कहा, देश के उत्तर-पश्चिमी और उत्तर-मध्य क्षेत्रों में डाकुओं और अन्य आपराधिक गतिविधियों से निपटना एक बड़ी चुनौती बन गयी थी। इस संबंध में कई ठिकानों की पहचान की गयी और जमीन तथा हवाई मार्ग से हमले कर बंदूकधारियों का सफाया किया गया।

गतिरोध के बीच चीन ने भारत सीमा पर चौकसी कर रहे सैनिकों के नये कमांडर की नियुक्ति की

बीजिंग, चीन-भारत सीमा पर चौकसी रखने वाले अपने वेस्टर्न थियेटर कमांड बलों के लिए चीन ने नये सैन्य कमांडर की नियुक्ति की है। सीमा पर गतिरोध समाप्त करने के मकसद से शनिवार को वरिष्ठ भारतीय और चीनी सैन्य अधिकारियों के बीच होने वाली प्रमुख वार्ता से पहले यह कदम उठाया गया है। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की वेस्टर्न थियेटर कमांड ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर घोषणा की है कि लेफ्टिनेंट जनरल शू किलिंग को उसके सीमा बलों का नया कमांडर नियुक्त किया गया है। खबरों के मुताबिक इससे पहले किलिंग ईस्टर्न थियेटर कमांड में सेवा दे चुके हैं। पीएलए की वेस्टर्न थियेटर कमांड भारत के साथ 3,488 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर निगरानी रखती है। इसमें सेना, वायु सेना और रॉकेट फोर्स के जवान शामिल हैं। इसके प्रमुख जनरल झाओ जोंगकी हैं। नयी नियुक्ति ऐसे समय में की गयी है जब चीनी और भारतीय बलों के बीच पिछले महीने की शुरुआत से सीमा पर गतिरोध की स्थिति बनी हुई है। खबरों के अनुसार, दोनों पक्ष शनिवार को पूर्वी लद्दाख में महीने भर से चले आ रहे गतिरोध को समाप्त करने के मकसद से विशेष प्रस्तावों पर विचार-विमर्श कर सकते हैं।

व्हाइट हाउस ने चीन से थियानमेन चौक नरसंहार पीड़ितों को सम्मानित करने को कहा

वाशिंगटन, व्हाइट हाउस ने 1989 के थियानमेन चौक नरसंहार से जुड़ी घटनाओं के दौरान मारे गए, हिरासत में लिए गए या लापता लोगों का पूर्ण ब्यौरा उपलब्ध कराने की चीन से अपील की है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैली मेकनैनी ने पूरी दुनिया के साथ ही नरसंहार की निंदा करते हुए बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) द्वारा निहत्थे चीनी असैन्य नागरिकों का नरसंहार ऐसी त्रासदी थी जिसे भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि अमेरिकी लोग उन लाखों चीनी नागरिकों के साहस एवं आशावाद को दर्शाते हैं जो 31 साल पहले बड़े पैमाने पर फैले आधिकारिक भ्रष्टाचार के खिलाफ और अपने देश में अपनी बात रखने की मांग के साथ बीजिंग और पूरे चीन में शांतिपूर्ण ढंग से एकत्र हुए थे। मेकनैनी ने घटना की 31वीं वर्षगांठ पर कहा, अमेरिका चीन से चार जून,1989 को थियानमेन चौक नरसंहार से जुड़ी घटनाओं के दौरान मारे गए, हिरासत में लिए गए या लापता लोगों का सम्मान करने की अपील करता है। इस स्मृति दिवस पर, अमेरिका के लोग चीनी सरकार से मानवाधिकार की सार्वभौमिक घोषणा और चीन-भारत संयुक्त घोषणा के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने, चीन के संविधान के तहत सभी चीनी नागरिकों को प्रदत्त अधिकार एवं स्वंतत्रता को बरकरार रखने और नस्ली एवं धार्मिक अल्पसंख्यकों के सुव्यवस्थित दमन को समाप्त करने की अपील करते हैं। प्रेस सचिव के इस बयान से एक दिन पहले विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने विदेश मंत्रालय में थियानमेन चौक नरसंहार के पीड़ितों से मुलाकात की थी। उधर, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को अमेरिकी निवेशकों को चीनी कंपनियों से सुरक्षित रखने के लिए एक ज्ञापन जारी किया।

इसमें कहा गया कि चीन द्वारा निवेशकों के महत्त्वपूर्ण संरक्षण उपायों का अनुपालन किए बिना अमेरिकी पूंजी बाजार से लाभ उठाना गलत एवं खतरनाक है। ट्रंप ने कहा, दशकों तक चीनी कंपनियों ने अमेरिकी पूंजी बाजारों का लाभ उठाया है और अमेरिका में जुटाई गई पूंजी ने चीन के त्वरित आर्थिक विकास को बढ़ाया है। इस ज्ञापन को विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ और राष्ट्रीय सुरक्षा नेतृत्व के अन्य सदस्यों को जारी किया गया। यह आर्टिकल पंजाब केसरी टीम द्वारा संपादित नहीं है, इसे एजेंसी फीड से ऑटो-अपलोड किया गया है।

चीन ने फिर दिखाई भारत को आंख, कहा- आग से मत खेलो, सब कुछ जला बैठोगे

नेशनल डेस्क।

लद्दाख की गलवान घाटी और पैंगोंग शो झील के आसपास लगातार तांक-झांक कर रहे चीन ने अब भारत को धमकी देना शुरू कर दिया है। अब चीन ने जी 7 के विस्तार में शामिल होने को लेकर भारत को चेताते हुए कहा क वो आग से खेल रहा है, ऐसा करने पर वह अपना सबकुछ जला बैठेगा। ड्रैगन का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत को जी 7 में शामिल करने की योजना के बाद आया है। चीन की सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स ने एक चीनी विशेषज्ञ के हवाले से कहा कि ट्रंप भारत, रूस और कुछ अन्य देशों को जी-7 में शामिल कर इसे जी-10 या जी-11 बनाने का ख्वाब देख रहे हैं। इस प्रस्ताव में भले ही विकसित देशों का फायदा हो लेकिन भारत का इसमें स्पष्ट नुकसान होना तय है। उसने धमकाते हुए कहा कि जी 7 के विस्तार में शामिल होने की कोशिश कर भारत आग से खेल रहा है। चीन का मानना है कि अमेरिका-चीन तनाव के मद्देनज़र ट्रंप ये कदम उठा रहे हैं जिससे हर तरफ से चीन को दबाने की कोशिश की जा सके। चीनी अखबार के अनुसार भारत का ट्रंप की योजना पर सकारात्मक जवाब आश्चर्यचकित करने वाला नहीं है। बड़ी शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा रखने वाले भारत की लंबे समय से बड़े अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भागीदारी की इच्छा रही है। चीन यहीं नहीं रूका उसने आरोप लगाया कि भारत में कुछ ऐसे संगठन हैं जो

चीन को लेकर अफवाह फैला रहे हैं और भारत सरकार भी ऐसे संगठनों पर कार्रवाई करने में नाकाम है। दरअसल भारत की बढ़ती ताकत के कारण अब डोनाल्ड ट्रंप इंडिया को विकसित देशों के समूह जी7 में शामिल करना चाहते हैं। जी-7 दुनिया की सबसे बड़ी और संपन्न अर्थव्यवस्थाओं वाले सात देशों का मंच है। इसमें फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा शामिल हैं. इन देशों के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और मुद्रा के मुद्दों पर हर साल बैठक करते हैं।

पाकिस्तान में कोरोना वायरस के 4896 मामले सामने आये, मरने वालों की संख्या 1838 हुयी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान में कोरोना वायरस के चार हजार 896 नये मामले सामने आने के साथ ही कुल संक्रमितों की संख्या बढ कर 89 हजार 249 हो गयी है। देश में कोविड–19 से मरने वालों की संख्या बढ कर 1838 हो गयी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। पाकिस्तान के राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवाओं के मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटे में देश में कोरोना वायरस संक्रमण के कारण 68 लोगों की मौत हो चुकी है जिससे मरने वालों की संख्या बढ कर एक हजार 838 हो गयी है । मंत्रालय ने यह भी बताया कि देश में वायरस की चपेट में आये 31 हजार 198 लोगों का सफल इलाज हो चुका है । पाकिस्तान में मई के आखिर में ईद के अवकाश के बाद यह लगातार यह तीसरा दिन है जब रिकार्ड संख्या में कोरोना वायरस के संक्रमित मामले सामने आये हैं । ईद के मौके पर लॉकडाउन में छूट दी गयी थी । सबसे अधिक संक्रमित सिंध प्रांत में है जहां 33, 536 लोग संक्रमित हैं । इसके बाद पंजाब, खैबर पख्तुनख्वा, बलूचिस्तान, इस्लामाबाद, गिलगित बाल्तिस्तान एवं पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर का नंबर आता है जहां कोरोना वायरस संक्रमण के क्रमशः 33144, 11890, 5582, 3946, 852 तथा 299 मामले हैं । मंत्रालय ने कहा कि पिछले 24 घंटे में 22812 लोगों की जांच की गयी है जो एक रिकार्ड है । देश में अब तक 60,38,323 लोगों के नमूनों की जांच की जा चुकी है। इस बीच अमेरिकी दूतावास के वरिष्ठ अधिकारी में कोरोना वायरस के संक्रमण की पुष्टि हुयी है।

लद्दाख सीमा पर बढ़ते गतिरोध के बीच भारत और चीन के बीच आज डेलिगेशन लेवल की अहम बैठक

नई दिल्ली :

पूर्वी लद्दाख में महीने भर से जारी सीमा गतिरोध को हल करने के अपने पहले बड़े प्रयास के तहत भारत और चीन की सेनाएं शनिवार को लेफ्टिनेंट जनरल स्तरीय बातचीत करेंगी। हालांकि दोनों सेनाएं ऊंचाई वाले क्षेत्र के संवेदनशील इलाकों में आक्रामक मुद्रा में बनी हुयी हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व लेफ्टिनेंट जनरल हरिंदर सिंह करेंगे। सिंह लेह स्थित 14वीं कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग हैं। चीनी पक्ष का नेतृत्व तिब्बत सैन्य जिला कमांडर करेंगे। यह बातचीत मालदो में सीमा कर्मी बैठक स्थान पर होगी। दोनों पक्षों के मध्य पहले ही स्थानीय कमांडरों के बीच कम से कम 12 दौर की तथा मेजर जनरल स्तरीय अधिकारियों के बीच तीन दौर की बातचीत हो चुकी है। लेकिन चर्चा से कोई सकारात्मक नतीजा नहीं निकला। उम्मीद है कि शनिवार की बैठक में भारतीय पक्ष पैंगोंग त्सो और गलवान घाटी में यथास्थिति बहाल रखने पर जोर देगा ताकि पांच मई को दोनों पक्षों के बीच हिंसक झड़प के बाद चीन द्वारा बनाए गए अस्थायी शिविरों को हटाते हुए तनाव में धीरे-धीरे कमी लायी जा सके।

बातचीत में क्या होंगे मुद्दे

उम्मीद है कि शनिवार की बैठक में भारतीय पक्ष पैंगोंग त्सो और गलवान घाटी में यथास्थिति बहाल रखने पर जोर देगा ताकि पांच मई को दोनों पक्षों के बीच हिंसक झड़प के बाद चीन द्वारा बनाए गए अस्थायी शिविरों को हटाते हुए तनाव में धीरे-धीरे कमी लाई जा सके। भारतीय प्रतिनिधिमंडल, अप्रैल 2018 में वुहान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच पहले अनौपचारिक शिखर सम्मेलन में लिए गए निर्णयों के अनुरूप, दोनों सेनाओं द्वारा जारी रणनीतिक दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन पर जोर देगा। समझा जाता है कि दोनों पक्ष गतिरोध दूर करने के लिए राजनयिक स्तर पर भी प्रयासरत हैं। 2017 के डोकलाम प्रकरण के बाद दोनों पक्षों के बीच यह सबसे गंभीर सैन्य गतिरोध है।

क्या है पूरा विवाद

पिछले महीने गतिरोध शुरू होने के बाद भारतीय सैन्य नेतृत्व ने फैसला किया कि भारतीय सेना पैंगोंग त्सो, गलवान घाटी, डेमचोक और दौलत बेग ओल्डी के सभी विवादित क्षेत्रों में चीनी सैनिकों की आक्रामक मुद्रा से निपटने के लिए दृढ़ दृष्टिकोण अपनाएगी। समझा जाता है कि चीन पैंगोंग त्सो और गलवान घाटी में लगभग 2,500 सैनिकों को तैनात करने के अलावा धीरे-धीरे अस्थायी बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रहा है और हथियारों की तैनाती बढ़ा रहा है।

आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि उपग्रह द्वारा लिए गए चित्रों से चीन द्वारा अपनी ओर रक्षा संबंधी बुनियादी ढांचे को विकसित करने जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि चीन ने उत्तरी सिक्किम और उत्तराखंड में वास्तविक नियंत्रण रेखा से लगे कुछ क्षेत्रों में भी अपनी उपस्थिति बढ़ायी है, जिसके बाद भारत भी अतिरिक्त सैनिकों को भेजकर अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आर्थिक संकट से तंग आकर प्लंबर ने नदी में कूदकर जान दी

सूरत शहर के वेसू क्षेत्र में रहनेवाले एक प्लंबर में आर्थिक संकट से तंग आकर नदी में कूदकर आत्महत्या कर ली! घटनास्थल पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने नदी से मृतक के शव को निकाल पुलिस को सौंप दिया! पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की कार्यवाही शुरू कर दी! लॉकडाउन के बाद अनलॉक 1 में जनजीवन धीरे धीरे सामान्य होने लगा है! लेकिन रोज कमाकर खाने वाले विकट परिस्थियों से जूझ रहे हैं! ऐसी ही स्थिति से जूझ रहे सूरत के एक प्लंबर ने नदी में कूदकर अपनी जान दे दी! सूरत के वेसू क्षेत्र के नंदनी सोसायटी निवासी 65 वर्षीय जगेशभाई धनराजभाई टोपीवाला आर्थिक संकट से जूझ रहे थे! कोई काम धंधा ठप होने से परेशान जगेशभाई ने नदी में कूदकर आत्महत्या कर ली! घटनास्थल पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने शव को नदी से बाहर निकाला! पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी!

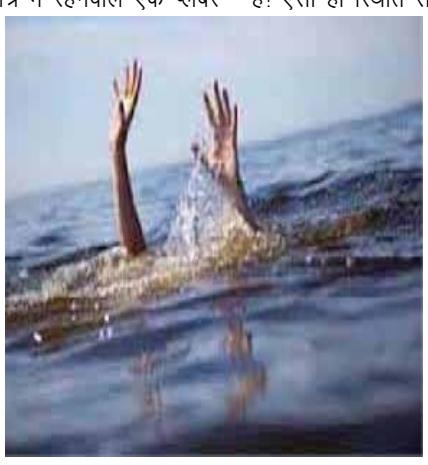

प्लास्टिक पैकेजिंग कंपनी में आग से करोड़ों का नुकसान, कोई जानहानि नहीं

सूरत के सचिन जीआईडीसी स्थित प्लास्टिग पैकेजिंग कंपनी में देर रात आग लगने से अफरातफरी मच गई! घटना के वक्त कंपनी में केवल तीन कर्मचारी थे, जो आग लगते ही बाहर निकल आए! आग इतनी विकराल थी कि सूरत फायर ब्रिगेड की मदद से उस पर काबू पाया गया! जानक. ारी के मुताबिक सूरत के सचिन जीआईडीसी के इकोनोमिक जोन स्थित प्लास्टिक पैकेजिंग कंपनी में देर रात अचानक आग भड़क उठीद्य पैकेजिंग में उपयोग किए जाते पेपर और प्लास्टिक के चपेट में आने से आग ने देखते ही देखते विकराल स्वरूप धारण कर लिया! भीषण आग से आसपास की कंपनियों में अफरातफरी मच गई! घटना के समय कंपनी में केवल तीन कर्मचारी मौजूद थे, जिन्होंने बाहर निकल कर अपनी जान बचा ली! सूचना मिलते ही सचिन जीआईडीसी की फायर टीम घटनास्थल पर पहुंच गई और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू कर दिया! लेकिन आग इतनी भीषण थी कि उस पर काबू पाने के लिए सूरत फायर ब्रिगेड की मदद ली गई! सूरत फायर ब्रिगेड की 6 गाडियां घटनास्थल पर पहुंच गई और कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया! गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जानहानि नहीं हुई, लेकिन मशीनरी और मटीरियल समेत करोड़ों का नुकसान हुआ है!

रथयात्रा से पहले सादगी से पूर्ण हुई जलयात्रा, उप मुख्यमंत्री हुए शामिल

अहमदाबाद आगामी 23 जून को अहमद. ाबाद में निकलने वाली भगवान जगन्नाथजी की रथयात्रा से पहले आज जलयात्रा सादगी से संपन्न हो गई! नदी से लाए जल से भगवान गा ज्येष्ठाभिषेक किया गया! इस अवसर पर राज्य के उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल भी मौजूद रहे!

इस साल धूमधाम से नहीं बल्कि सादगी भगवान जगन्नाथजी के मंदिर जलयात्रा का आयोजन किया गया! वैश्विक महामारी कोरा. ना के कारण इस बार जलयात्रा में मंदिर के महंत दिलीपदास और राज्य के उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल समेत 10 जिलने लोग शामिल हुए! अबकी बार जलयात्रा में किसी को भी आमंत्रित नहीं किया गया! मंदिर से निकलकर जलयात्रा साबरमती के तट पर पहुंची! जहां महंत दिलीपदास और नितिन पटेल बोट में सवार होकर नदी के मध्य पहुंचे और गंगा पूजा करने के पश्चात भगवान के ज्येष्ठाभिषेक के लिए कलश में जल लिया! जलयात्रा के मंदिर में लौटने के बाद मंदिर के प्रांगण में पंडितों ने मंत्रोच्चार के बीच सात नदियों के जल से भरे 108 कलश से दिलीपदास और नितिन पटेल ने भगवान का ज्येष्ठाभिषेक किया! इस अवसर पर भी सीमित संख्या में लोग मंदिर में मौजूद रहेद्य मंदिर में काम करने वालों को छोड़ अन्य किसी को मंदिर में प्रवेश नहीं दिया गया!

इस अवसर उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने कहा कि आज जलयात्रा का सादगी से आयोजन किया गया! भारत समेत समूचे विश्व कोरोना महामारी से जूझ रहा है! ऐसे में कोरोना से बचने के लिए सभी गाइडलाइन का पालन करना जरूरी है! साथ ही 143 वर्षों से चली आ रही सांस्कृतिक परंपरा को भी बरकरार रखना जरूरी थाद्य इसलिए सीमित लोगों के साथ सादगी से जलयात्रा का आयोजन किया गया! उन्होंने कहा कि कोरोना को रोकने के साथ ही परंपरा को निभाना है और इस अवसर पर मैं भक्त के तौर उपस्थित रहा! आगामी अषाढी दूज को सादगी से भगवान जगन्नाथजी की रथयात्रा निकालने की मंदिर के ट्रस्टियों ने सरकार से मंजूरी मांगी है! नितिन पटेल ने कहा कि सरकार और प्रशासन के साथ बैठक के बाद रथयात्रा से उचित फैसला किया जाएगा! रथयात्रा के दौरान सोशल डिस्टेंस मेंटेन करने के साथ ही मास्क पहनना अनिवार्य होगा! उन्हों ने कहा कि 143 साल पुरानी परंपरा बरकरार रहे और भगवान जगन्नाथजी गुजरात को सुखी और समृद्ध होने का आशीर्वाद दें!

ललित कथगरा ने ब्रिजेश मेरजा के कांग्रेस से इस्तीफे को बताया खुदकुशी

अहमदाबाद टंकारा से कांग्रेस विधायक ललित कथगरा ने मोरबी के ब्रिजेश मेरजा के विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने को खुदकुशी बताया है! उन्होंने कहा कि किसी को अपने कंधे पर बिठाकर कब तक रोक सकोगे, जिसे जाना है वह जाकर ही रहेगा! बता दें कि गुरुवार को जीतु चौधरी और अक्षय पटेल ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दिया था! शुक्रवार को मोरबी से कांग्रेस विधायक ब्रिजेश मेरजा के इस्तीफा सियासत गरमा गई है!

टंकारा से कांग्रेस विधायक ललित कथगरा ने ब्रिजेश मेरजा के इस्तीफे पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है! कथगरा ने कहा कि ब्रिजेश मेरजा के इस्तीफे का फैसला मच्छू बांध से कूदकर आत्महत्या करने जैसा है! इस्तीफा देने वाले ब्रिजेश मेरजा को अचानक पता चला कि पार्टी की नीति ठीक नहीं है! यदि नीति ठीक नहीं थी तो 15 साल कांग्रेस में क्यों बने रहे? किसने उन्हें जबरन पार्टी में रखा था? रातों रात ब्रह्मज्ञान होने के पीछे कोई ठोस वजह जरूर होगी! रातों रात किसी का ब्लैकमेइलिंग

संभव नहीं है! ललित कथगरा ने कहा कि 2014 में भी ब्रिजेश मेरजा भाजपा का दामन थाम चुके हैं! फिलहाल कांग्रेस मूल के करीब 60 जितने विधायक भाजपा में हैं! विधायकों के ऐसे व्यवहार से राजनीति से नफरत होती है! यह काफी दुःख की बात है कि सार्वज. निक जीवन का स्तर इतना गिर गया है!

मांगरोल के कांग्रेस विधायक बाबू मेरजा को 15 करोड़ रुपए की ऑफर मिली होने के दावे पर ललित कथगरा ने कहा कि मुझे कोई ऑफर नहीं मिलाद्य ऑफर उन्हें मिलती है जिनकी कोई कीमत होती है! मेरी कोई कीमत नहीं है और मेरी कीमत कोई लगा भी नहीं सकता!

कथगरा ने कहा कि विधायकों को पकड़े रखने से कुछ नहीं होगा! आखिर कब तक उन्हें कंधे पर बिठाकर संभाले रखोगेद्य जिन्हें जाना वह जाकर रहेंगे! खरीददार होंगे तो बिकने वाले भी होंगे!

विश्व पर्यावरण दिवस पर अहमदाबाद में पांच लाख तुलसी पौधों के वितरण का अभिनव प्रयोग

मनपा द्वारा आयोजित कार्यक्रम का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सीएम ने किया शुभारंभ

अहमदाबाद मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अहमदाबाद में पांच लाख तुलसी पौधों के वितरण कार्यक्रम का वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए शुभारंभ किया।

अहमदाबाद के नारणपुरा क्षेत्र में स्थित मंगलमूर्ति अपार्टमेंट में आयोजित इस कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि समूची दुनिया के साथ हमारा देश और राज्य तथा विशेषकर अहमदाबाद कोरोना के खिलाफ जंग लड़ रहा है। इस रोग की किसी सटीक दवाई का अभी तक अविष्कार नहीं हुआ है। ऐसे में, तुलसी जैसे आयुर्वेदिक उपचारों के माध्यम से ही हमें अपनी रोग प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाना जरूरी है। रोग प्रतिरोधक शक्ति में बढ़ोतरी को कोरोना संक्रमण से बचाव के उपाय के रूप में रेखांकित कर उन्होंने तुलसी की पत्तियों का काढ़ा और तुलसी की पत्तियों के रस के सेवन की सीख दी। उन्होंने कहा कि विशिष्ट परिस्थितियों के कारण हम सामाजिक दूरी को बनाए रखते हुए विशिष्ट तौर पर पर्यावरण दिवस का यह उत्सव मना रहे हैं। उल्लेखनीय है कि हर साल दुनिया भर में पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम 'बायोडायवर्सिटी' यानी जैव विविधता है।

रूपाणी ने कहा कि आज पूरा विश्व पर्यावरण संबंधित चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब प्रकृति की विविधता को कायम रखते हुए प्रदूषण और पर्यावरण के बीच संतुलन को बनाए रखने की आज महती आवश्कता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अहमदाबाद महानगरपालिका धनवंतरी रथ, आयुर्वेदिक काढ़ा और होम्योपैथिक दवाइयों के वितरण जैसे बहुआयामी कदमों के साथ कोरोना संक्रमण का मुकाबला कर रही है। तुलसी के पौधों का वितरण सही समय पर सही कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद की चॉलों या बहुमंजिला इमारतों में जहां तुलसी के पौधे उगाना संभव नही हैं, उन लोगों तक तुलसी के पौधे पहुंचाने से वहां रहने वाले लोगों के लिए मौजूदा हालात में उपयोगी साबित होंगे। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन खुलने के बाद राज्य के सभी लोगों को कोरोना वायरस के खिलाफ कोरोना वॉरियर्स बनकर लड़ना है और कोरोना के खिलाफ जंग को जीतना है। मुख्यमंत्री ने 'कोरोना हारेगा, अहमदाबाद–गुजरात जीतेगा' का नारा पुनः देते हुए सभी नागरिकों से आह्वान किया कि कोरोना के खिलाफ लंबी लड़ाई में हरेक व्यक्ति सिपाही और वॉरियर (योद्धा) बने।

रूपाणी ने कोरोना के खिलाफ जंग में अहमदाबाद महानगरपालिका द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों की सराहना कर बधाई भी दी। अहमदाबाद की महापौर श्रीमती बीजलबेन पटेल ने कहा कि आयुर्वेद में तुलसी को पवित्र माना जाता है। वन विभाग की ओर से उपलब्ध कराए गए पांच लाख तुलसी के पौधों का सर्वप्रथम कोरोना संक्रमित क्षेत्रों में वितरण किया जाएगा उसके बाद अहमदाबाद के अन्य क्षेत्रों में इसका वितरण किया जाएगा। तुलसी रथ के माध्यम से तुलसी वितरण करने के इस कार्यक्रम में उप महापौर श्री दिनेशभाई मकवाणा, मनपा स्थायी समिति के चेयरमैन अमूलभाई भट्ट द्वारा स्थानीय निवासियों को प्रतीक स्वरूप तुलसी के पौधों का वितरण किया गया। सामाजिक दूरी बनाकर सीमित संख्या में लोगों की उपस्थिति में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

गुजरात कांग्रेस को एक और झटका, मोरबी के विधायक ने दिया इस्तीफा

मांगरोल के कांग्रेस विधायक का 15 करोड़ की ऑफर मिली होने का दावा

अहमदाबाद राज्यसभा चुनाव से पहले विधानसभा में 7 सीटें गंवा चुकी गुजरात कांग्रेस को लगातार दूसरे दिन तीसरा झटका लगा है! मोरबी से कांग्रेस विधायक ब्रिजेश मेरजा ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है! गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष राजेन्द्र त्रिवेदी ने ब्रिजेश मेरजा के इस्तीफे की पुष्टि कर दी है! इस्तीफा देने के बाद ब्रिजेश मेरजा ने कहा कि वह कांग्रेस में रह कर जनसेवा करने में असमर्थ थे! जबकि मेरा उद्देश्य अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की सेवा करना था! लेकिन कांग्रेस में रहते हुए यह करना मुमकीन नहीं था! इसलिए आज कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता और विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है! ब्रिजेश मेरजा ने ई मेल के जरिए गुजरात विध ाानसभा के अध्यक्ष राजेन्द्र त्रिवेदी को अपना इस्तीफा भेजा है! बता दें

लेकिन कांग्रेस के 8 विधायकों के इस्तीफे के बाद बाजी पलट गई है और भाजपा के तीनों उम्मीदवार की जीत और कांग्रेस के एक प्रत्याशी की हार तय है!

कि गुरुवार को कपराडा से कांग्रेस विधायक जीतु चौधरी और करजण से कांग्रेस विधायक अक्षय पटेल ने इस्तीफा दिया था! इससे पहले मार्च महीने में कांग्रेस के पांच विधायक इस्तीफा दे चुके हैं! जिसमें गढ़डा से कांग्रेस विध ाायक प्रवीण मारू, अबडासा के प्रद्युम्नसिंह जाडेजा, लींबडी के सोमा पटेल, धारी से जेवी काकडिया और डांग से मंगल गावित शामिल थे! आज ब्रिजेश मेरजा के इस्तीफे के बाद इस्तीफा देने वाले कांग्रेस विधायकों की संख्या 8 हो गई है और विधानसभा में उसका संख्याबल घटकर 65 रह गया है!

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)